

वार्षिक रिपोर्ट 2018-19



सी-डॉट
C-DOT

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स
(सीएमएमआई स्तर 5 संगठन)

हमारा लक्ष्य

सी-डॉट को एक विश्व स्तरीय दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र बनाना।

हमारा मिशन

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां, उत्पाद और समाधान डिजाइन और विकसित करना। भारत की, विशेषकर सामरिक और ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय महत्व की दूरसंचार आवश्यकताओं को पूरा करना।



विषय सूची

सी-डॉट प्रबंधन

02

03

सिंहावलोकन

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान
उपलब्धियां एवं गतिविधियां

04

08

संगठनात्मक प्रक्रियाएं
एवं पद्धतियां

बौद्धिक संपदा अधिकार

09

12

ज्ञान प्रबंधन

व्यवसाय संवर्धन

16

19

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

विविध आयोजन-2018-19

20

27

सी-डॉट में मानव संसाधन पहल

स्वच्छ भारत योजना

28

30

सी-डॉट में हिंदी को प्रोत्साहन

सतर्कता जागरूकता पहल

32

33

लेखाओं का विवरण
2018-19

सी-डॉट प्रबंधन

शासी परिषद:

अध्यक्ष

संचार मंत्री

उपाध्यक्ष

संचार राज्य मंत्री

सदस्य

रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार
अध्यक्ष, दूरसंचार आयोग एवं सचिव दूरसंचार विभाग
सदस्य (प्रौद्योगिकी) दूरसंचार आयोग
सदस्य (वित्त), दूरसंचार आयोग
सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीएसएनएल
कार्यकारी निदेशक, सी-डॉट
निदेशक, सी-डॉट

संचालन समिति:

अध्यक्ष

अध्यक्ष, दूरसंचार आयोग एवं सचिव, दूरसंचार विभाग

उपाध्यक्ष

सदस्य (प्रौद्योगिकी, दूरसंचार आयोग)

सदस्य

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आईटीआई लिमिटेड
निदेशक (योजना), बीएसएनएल
वरिष्ठ उप महानिदेशक, दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र
उप महानिदेशक (टीपीएफ), दूरसंचार विभाग
वरिष्ठ निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
कार्यकारी निदेशक, सी-डॉट
निदेशक, सी-डॉट

परियोजना बोर्ड:

अध्यक्ष

कार्यकारी निदेशक, सी-डॉट

सदस्य

निदेशक, सी-डॉट

सिंहावलोकन

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स, सी-डॉट, की स्थापना 1984 में संचार मंत्रालय, भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में की गई थी। इसे सामान्यतः राष्ट्र में स्वदेशी दूरसंचार क्रांति का सूत्रपात करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विख्यात है।

अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाओं वाली विश्वस्तरीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं और देश के शीर्ष संस्थानों के प्रतिभाशाली इंजीनियरों के विशाल समूह से लैस सी-डॉट, हमारे विविधताओं से भरपूर राष्ट्र की कनेक्टिविटी से संबंधित विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति करने की दिशा में लक्षित अनुसंधान पहलों के माध्यम से देश के विकास से संबंधित अति महत्वपूर्ण उद्देश्यों को पूर्ण करने के प्रति संकल्पबद्ध रहा है। सी-डॉट की प्रौद्योगिकियों का लक्ष्य राष्ट्र की ब्रॉडबैंड अवसंरचना को बढ़ावा देना और ग्रामीण, सुरक्षा एवं सामरिक अनुप्रयोगों से संबंधित विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। सी-डॉट के वैविध्यपूर्ण उत्पादों की रेंज व्यापक प्रौद्योगिकियों का संग्रह है, जिनमें स्विचिंग और राउटिंग, ऑप्टिकल कम्युनिकेशन, वायरलेस कम्युनिकेशन, नेटवर्क सिम्योरिटी, एम2एम/आईओटी, कृत्रिम मेधा, 5जी, नेटवर्क प्रबंधन और अन्य दूरसंचार सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों का समूह शामिल है, जो दूरसंचार के विस्तृत जगत के अनछुए आयामों को प्राप्त करने की उसकी अदम्य इच्छा को दर्शाता है।

देश के कोने-कोने तक कनेक्टिविटी पहुंचाने की सी-डॉट की उत्साहपूर्ण तत्परता को सामान्यतया रैक्स और मैक्स के नाम से पुकारे जाने वाले स्वदेशी तौर पर विकसित एक्सचेंज का समर्थन प्राप्त है, जो अब तक लगातार अपने अपग्रेड्स के माध्यम से ग्रामीण नेटवर्क को आगे बढ़ा रहे हैं, ताकि आईपी-आधारित नवीनतम सेवाओं का प्रावधान आर्थिक दृष्टि से व्यवहार्य और कुशल रूप से किया जा सके।

सी-डॉट का जीपॉन (गिगाबिट पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क) समाधान देश की 2.5 लाख पंचायतों को हाई स्पीड ब्रॉडबैंड के साथ जोड़ने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रव्यापी ऑप्टिकल फाइबर बेस्ड नेटवर्क भारतनेट के आधार को मजबूती प्रदान कर रहा है और इस प्रकार माननीय प्रधानमंत्री के “डिजिटल सशक्तिकरण” के स्वप्न को साकार कर रहा है। सी-डॉट द्वारा स्वदेशी तौर पर डिजाइन और निर्मित टेराबिट राउटर स्विचिंग और राउटिंग के क्षेत्र में हमारी योग्यता का प्रमाण है, जिसमें हमारे स्विचिज, गेटवेज और अन्य नेटवर्क इकाइयां द्वारा भारत सरकार की हाल की पहलों यथा “स्मार्ट सिटीज” और “डिजिटल

इंडिया” में उत्तरोत्तर रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाए जाने की संभावना है। सी-डॉट जीपॉन को नवीनतम उत्पाद/सेवा श्रेणी में गोल्डन पीकॉक अवार्ड 2018 (इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स नई दिल्ली द्वारा स्थापित) से भी सम्मानित किया गया।

सी-डॉट ने 8000 जीबीपीएस (8 टेराबिट प्रति सेकंड) की कुल क्षमता के साथ अत्याधुनिक 80 चैनल डैस वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग (डीडब्ल्यूडीएम) प्रणाली स्वदेशी रूप से विकसित की है। यह प्रति चैनल 100 जीबीपीएस के समर्थन के साथ दूरसंचार नेटवर्क के मूल में बैंडविड्थ की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए आदर्श रूप से अनुकूल है।

सी-डॉट का बीबीडब्ल्यूटी (ब्रॉडबैंड वायरलेस टर्मिनल) बिजली की कमी वाले क्षेत्रों में ऊर्जा के हरित स्रोतों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत के सबसे दुर्गम और दुरुह इलाकों तक वायरलेस कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है।

“डिजिटल साक्षरता” को बढ़ावा देने के प्रति सी-डॉट का अदम्य दृढ़निश्चय उसके विलक्षण नवोन्मेष ज्ञानसेतु से परिलक्षित होता है, जो इंटरनेट के लाभ, दिव्यांगों सहित भारत के निरक्षर लोगों तक सुगम और सुविधाजनक रूप से पहुंचाने और इस प्रकार सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने में सक्षम है। इस नवीनतम समाधान को आईटीयू टेलीकॉम वर्ल्ड, 2015, बुडापेस्ट, हंगरी में अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस से नवाजा गया।

सी-डॉट को एक एम2एम इनिशिएटिव का सदस्य होने का गौरव प्राप्त है, जिसके द्वारा उसके एम2एम और आईओटी अनुप्रयोगों ने वैश्विक मंच पर अपनी इंटरऑपरेबिलिटी साबित की है। सी-डॉट को 2016 में “टॉप ऑर्गेनाइजेशन/इंस्टीट्यूशन फॉर पेटेंट्स” श्रेणी में नेशनल इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सी-डॉट, आज नवीनतम स्वदेशी दूरसंचार प्रौद्योगिकियों और नवोन्मेषी समाधानों के लिए एकल स्थल के रूप में उभरा है और इस प्रकार स्वदेशी विनिर्माण के वाहकों को अपने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण) मॉडल के आधार पर बढ़ावा दे रहा है। सी-डॉट प्रमुख मिशन “मेक इन इंडिया” के अंतर्गत परिकल्पित स्वदेशी विनिर्माण व्यवस्था के विकास में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को भी तत्पर है।

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान उपलब्धियां और गतिविधियां

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान सी-डॉट की उपलब्धियां (अप्रैल 2018-मार्च 2019)

सी-डॉट की गतिविधियों की जानकारी

सी-डॉट अत्याधुनिक दूरसंचार आरएंडडी गतिविधियों के अनुसंधान और विकास के साथ-साथ अपनी विकसित प्रौद्योगिकियों के फील्ड में कार्यान्वयन में संलग्न है। निर्माणाधीन, फील्ड में तैनाती आदि की स्थिति वाली प्रमुख प्रौद्योगिकियों की प्रगति, क्षेत्र परिनियोजन, आदि का संक्षिप्त वर्णन निम्नलिखित है।

1. वास्तविक कार्य निष्पादन

- ◆ सुरक्षा से संबंधित परियोजनाओं यथा सीएमएस उपकरण 21 एलएसए¹ में उपलब्ध कराए जा चुके हैं और परिचालन प्रारंभ हो चुका है, एसडीसीएन एमटीएनएल दिल्ली में चालू किए जाने के लिए तैयार है और डीआरडीओ के लिए विस्तार प्रगति पर है आदि।
- ◆ ऑप्टिकल प्रौद्योगिकी- जीपॉन ओएनटी के नए संस्करणों का फील्ड परीक्षण पूरा हो चुका है, अगली पीढ़ी के पॉन जैसे एक्सजीएस-पॉन का विकास पूर्ण हो चुका है, 100जी डब्ल्यूडीएम प्रणाली का फील्ड परीक्षण किया जा रहा है उसे टीईसी विधिमाम्य के लिए प्रस्तुत किया गया है।
- ◆ राउटिंग प्रौद्योगिकी- एमटीएनएल नेटवर्क में परीक्षण पूरे किए जा चुके हैं और बीएसएनएल में उच्च क्षमता वाले राउटर के लिए पीओसी नियोजित है।
- ◆ डील के लिए सेटलाइट हब बेसबैंड सिस्टम- विकसित कर दिया गया है और ग्राहक को उपलब्ध करवा दिया गया है।
- ◆ उच्च क्षमता वाली सौर विद्युत आपूर्ति प्रणाली- 2के डब्ल्यू और प्रणाली के लिए टीओटी प्रक्रिया आरम्भ की गई है।
- ◆ एम2एम और एसटीबी- अनुप्रयोगों के साथ एम2एम नेटवर्क विस्तारित प्रयोगशाला परीक्षण जारी हैं। हाईब्रिड डीटीएच सेट टॉप बॉक्स (एसटीबी) की फील्ड में परीक्षण के लिए तत्परता।
- ◆ हरित बिजली आपूर्ति- 2 के डब्ल्यू प्रणाली के लिए टीओटी प्रक्रिया आरम्भ की गई है।
- ◆ एनजीएन प्रौद्योगिकी- बीएसएनएल नेटवर्क में 5 मिलियन से ज्यादा लाइन्स का लक्ष्य है।
- ◆ वाई फाई प्रौद्योगिकी- फील्ड में कार्यान्वयन किया जा रहा है।
- ◆ वर्ष के दौरान सम्पन्न प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी)- विभिन्न प्रौद्योगिकियों के लिए 14 और आज तक कुल 96।

प्रमुख प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के तहत हुई प्रगति के बारे में संक्षिप्त चर्चा निम्नलिखित है।

1.1.1 सुरक्षा से संबंधित परियोजनाएं

- ◆ वैधानिक इंटरसेप्शन और निगरानी के लिए केंद्रीकृत निगरानी प्रणाली (सीएमएस)- राष्ट्रीय स्तर पर 1 लाइसेंस-सर्विस एरिया परियोजना का परिचालन शुरू किया गया है। 21 एलएसए में उपकरण उपलब्ध कराने और ऑनबोर्ड सीएमएस के साथ 35 एलईए (एलईएमएफ या टर्मिनल मोड में) में परिचालन प्रारंभ होने और 57 एलईए सीएमएस एलईएमएफ को ऑनबोर्ड करने की प्रक्रिया में होने के साथ सीएमएस परियोजना व्यावहारिक रूप से पूरी हो गई है।
- ◆ सुरक्षित एवं समर्पित संचार नेटवर्क (एसडीसीएन)- एमटीएनएल दिल्ली नेटवर्क में चालू किए जाने के लिए तैयार है। डीआरडीओ के लिए वीओआईपी सीपीई और एसडीसीएन नेटवर्क के एग्रीगेटर एक्सपेंशन के लिए फैक्टरी एक्ससेप्टेंस टेस्टिंग (एफएटी) के पूर्ण हो जाने के साथ प्रगति पर है, राउटर के लिए एफएटी किया जा रहा है।
- ◆ आईएसपी निगरानी प्रणाली-इसको फील्ड में लगाया जा रहा है। वर्ष के दौरान आईएसपी गेटवे हार्डवेयर संस्थापित करने का कार्य 11 अतिरिक्त स्थानों पर पूरा किया जा चुका है और उन्हें एलईए को सौंपा जा चुका है। उत्तरोत्तर रूप से, आईएसपी निगरानी समाधान देश भर में 120 से ज्यादा स्थानों पर संस्थापित किया जा चुका है और चालू हो चुका है।
- ◆ वैधानिक इंटरसेप्शन के लिए उत्कृष्टता का केंद्र (सीओई)- एलईए की जरूरतों को पूरा करने के लिए सोशल नेटवर्किंग और विश्लेषण, इमेज प्रोसेसिंग, क्वांटम सेफ क्रिप्टोग्राफी आदि के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का विकास प्रगति पर है। वर्ष के दौरान पूरी की गई प्रमुख गतिविधियों में सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स (यूट्यूब, ट्विटर, फेसबुक, लिंकडइन, आदि) के लिए सॉफ्टवेयर विकास, सोशल वेबसाइट विश्लेषण टूल के लिए बेसिक फ्रेमवर्क, नियंत्रित वातावरण में फेस डिटेक्शन एंड रेकग्निशन के लिए आंतरिक विधिमाम्यकरण तथा फोन और आईपी एन्क्रिप्टर के लिए वर्तमान में जारी लैटिस-बेस्ड पीक्यूसी एल्गोरिथम का विधिमाम्यकरण शामिल हैं।

1.1.2 ऑप्टिकल प्रौद्योगिकियां

- ◆ ओसीएन- डीडब्ल्यूडीएम-आधारित 100 जी ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क (ओटीएन) सिस्टम-चेन्नई में बीएसएनएल के लिए प्रायोगिक परीक्षण किया जा रहा है और टीईसी विधिमाम्यकरण के लिए प्रस्तुत किया गया है।
- ◆ 1.6 टीबीपीएस की क्रॉस- कनेक्ट क्षमता के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का विकास पूरा होने के साथ ही ओटीएन¹ स्विच के लिए भी विकास कार्य प्रगति पर है।

- ◆ एक्ससजीएस— पॉन, नेक्सट जेनरेशन पॉन—विकास पूर्ण हो चुका है और परीक्षण किया जा रहा है।
- ◆ जीपॉन ओएनटी के नए संस्करणों यथा डायिंग जीएसपी सहित तितली, रिंग ओएनटी और आरएफ सहित ओएनटी के लिए टीईसी प्रमाणन सहित फील्ड परीक्षण पूरा हो चुका है।
- ◆ नोएडा, उत्तर प्रदेश में सीएससी में 4-पोर्ट ओएलटी का प्रायोगिक परीक्षण पूरा हो चुका है और व्यवहार में परिचालित किया जा रहा है।

1.1.3 स्विचिंग और राउटिंग प्रौद्योगिकी

- ◆ **राउटिंग प्रौद्योगिकी**— एमटीएनएल नेटवर्क में प्रौद्योगिकी परीक्षण पूरा हो चुका है। बीएसएनएल नेटवर्क में उच्च क्षमता वाली राउटिंग टेक्नोलॉजी (फील्ड कॉन्फिगरेशन/आवश्यकता के आधार पर 6 टेराबिट तक की क्षमता के साथ) की तैनाती की योजना बनाई गई है, जिसके लिए तकनीकी प्रस्ताव उसके पीओसी के लिए प्रस्तुत किया गया है।
- ◆ **हाई स्पीड राउटिंग सिस्टम**— 100G ईथरनेट इंटरफेस रेफरेंस बोर्ड पर सॉफ्टवेयर की पोर्टिंग के साथ विकास प्रगति पर है।
- ◆ **एलएएन और एमएएन उद्यम और डेटा केंद्र खण्ड**— 24-पोर्ट के लिए एल 3 स्विच लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। 48 पोर्ट के लिए एकीकृत एल2/एल3 स्विच का विकास किया जा चुका है और नए 24-पोर्ट कॉन्फिगरेशन हार्डवेयर पर सॉफ्टवेयर पोर्टिंग जारी है। मध्यम क्षमता वाले टीओआर स्विच के लिए विकास कार्य प्रगति पर है।
- ◆ **डीआरडीओ—अनुराग के लिए कस्टमाइज्ड राउटर**— पीसीबी फेब्रिकेशन और असेम्बली जारी है और स्टैंडर्ड मल्टी कोर प्रॉसेस्सर रेफरेंस प्लेटफॉर्म पर सॉफ्टवेयर सम्मिलित किए जा चुके हैं। सॉफ्टवेयर सम्मिलित करने का कार्य सी-डॉट द्वारा डिजाइन किए गए हार्डवेयर पर किया जा रहा है।

1.1.4 उपग्रह आधारित प्रणालियां

- ◆ **डील के लिए सेटेलाइट हब बेसबैंड सिस्टम**— बहुतायत के साथ कैरियर ग्रेड हब बेसबैंड सिस्टम को विकसित किया जा चुका है और ग्राहक को उपलब्ध कराया जा चुका है।
- ◆ **डिजिटल वीडियो ब्रॉडकास्टिंग (डीवीबी)**— एस2 हब बेसबैंड सिस्टम—डीवीबी—एस2 मॉड्यूलैटर और एमएफ—टीडीएमए डीमॉड्यूलैटर के लिए अनुकरण या सिमुलेशन का कार्य पूरा हो चुका है। ट्रांसमिट पाथ (हब से टर्मिनल में डाउनलोड) में वीडियो ब्रॉडकास्टिंग सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है।

1.1.5 पॉवर एफिशिएंट ग्रीन टेलीकॉम टेक्नोलॉजी

- ◆ **उच्च क्षमता वाली सौर विद्युत आपूर्ति प्रणाली**— 75 डब्ल्यू, 125 डब्ल्यू और 256 डब्ल्यू प्रणालियां विनिर्माण के लिए तैयार हैं। 2केडब्ल्यू प्रणाली के लिए टीओटी प्रक्रिया भी शुरू की जा चुकी है। उच्च क्षमता वाली 5के डब्ल्यू प्रणाली के लिए प्रयोगशाला में परीक्षण कार्य पूरा हो चुका है।

1.1.6 दूरसंचार सेवाएं और अनुप्रयोग

- ◆ **एम2एम संचार** — सीएसएफ के साथ एम2एम सिस्टम नॉड्स (एडीएन, एएसएन, आईएन और एम एन सहित) के विधिमान्यकरण का कार्य प्रगति पर है। अनुप्रयोगों सहित एम2एम नेटवर्क के लिए विस्तारित प्रयोगशाला परीक्षण जारी है।
- ◆ **सीआईएसटीबी**— केबल खण्ड के लिए एसटीबी का मुम्बई में आईएमसीएल केबल नेटवर्क में फील्ड परीक्षण का कार्य जारी है। डीटीएच हाईब्रिड एसटीबी का विधिमान्यकरण पूरा हो चुका है और फील्ड परीक्षण के लिए साइट की पहचान का कार्य जारी है।

1.1.7 विकसित परियोजनाओं का फील्ड में कार्यान्वयन

- ◆ **एनजीएन**— सी-डॉट मैक्स को एनजीएन में लगाया जा रहा है। 2 सर्कलों के लिए परिवर्तन का कार्य योजना के अनुसार पूरा हो चुका है। इस प्रकार 5 मिलियन से ज्यादा लाइन्स को बीएसएनएल नेटवर्क में परिवर्तित कर दिया गया है।
- ◆ **सी-डॉट वाईफाई प्रौद्योगिकी**— सीएससी के 5000 गांवों के लिए सौर वाई-फाई तथा नौसेना और सेना के लिए वाई-फाई प्रणालियों के लिए वाई-फाई उपलब्ध कराने का कार्य प्रगति पर है।
- ◆ **एलटीई संवर्धन, कस्टमाइजेशन और परीक्षण**— ईनोडबी और ईपीसी युक्त सी-डॉट एलटीई प्रणाली एमटीएनएल, दिल्ली में पीओसी और परीक्षण के लिए संस्थापित की जा चुकी है।
- ◆ **सौर आरटीएफ**— फोटोवोल्टिक डीसी जेनरेटर (पीवीडीजी), सप्लाइ, इन्स्टालेशन, टेक्स्टिंग एंड कमिशनिंग (एसआईटीसी) का उपयोग करते हुए सी-डॉट परिसर, दिल्ली में 600 केडब्ल्यू पी के लिए रूफ-टॉप सॉल्यूशन पूरा किया जा चुका है और सी-डॉट परिसर, बेंगलूरु में 557 केडब्ल्यू पी के लिए परीक्षण जारी है।

2. प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण:

क्र.सं.	रणनीतिक साझेदार	निष्पादन योग्य परियोजना	उद्देश्य
क	एमओयू और परियोजना समझौतों पर हस्ताक्षर		
1.	आईआईटी, बाम्बे	4जी एवं 5जी, प्रौद्योगिकी विकास	5जी एवं 4जी के क्षेत्रों में साझा सहयोगपूर्ण अनुसंधान परियोजनाएं
2	संचार मंत्रालय, घाना गणराज्य	4जी एवं 5जी, प्रौद्योगिकी विकास	घाना में विश्वसनीय और किफायती विश्व स्तरीय संचार अवसंरचना और सेवाओं का विकास
3.	सीएसआईआर सीईईआरआई, पिलानी	5जी उत्पादों और सेवाओं का विकास	एमएम-वेव प्रौद्योगिकी, लास्ट माइल कनेक्टिविटी, हाई डेटा रेट कम्युनिकेशन, एज ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म आदि।
4.	आईआईटी रुड़की	5जी प्रौद्योगिकी और संबंधित संचार प्रणालियां	5जी प्रौद्योगिकी और संबंधित संचार प्रणाली
5.	नेशनल यूएस इंडिया चैम्बर ऑफ कॉमर्स, यूएसए	5जी प्रौद्योगिकी और संबंधित संचार प्रणालियां	ग्राहकों और सेवा प्रदाताओं के लिए नवोन्मेषी और उन्नत दूरसंचार उत्पादों / सेवाओं का विनिर्माण और वितरण
6.	संघीय दूरसंचार मंत्रालय, नाइजीरिया	5जी प्रौद्योगिकी और संबंधित संचार प्रणालियां	भारतीय अनुसंधान एवं विकास समाधानों और सेवाओं का नाइजीरिया में टेलीसुपरकॉन एफजेडई (और सम्बद्ध कंपनियों) के समर्थन के साथ ग्राहकों और सेवा प्रदाताओं के लिए तालमेल बैठाना
7.	आईआईटी, मद्रास	5जी प्रौद्योगिकी और संबंधित संचार प्रणालियां	हाई फ्रीक्वेंसी आरएफ मॉड्यूल, एयर इंटरफेस लेअर-1 ऐल्गोरिदम और अनुकूलन, विशाल एमआईएमओ बेसबैंड ऐल्गोरिदम
8.	आईआईटी, रोपड़	पोस्टल क्वांटम क्रिप्टोग्राफी	वीओआईपी में वाणिज्यिक हाइब्रिड पोस्ट-क्वांटम सॉफ्टवेयर कार्यान्वयन, एक एफपीजीए रेफरेंस बोर्ड पर आईपी एंक्रिप्टर के साथ एफपीजीए आधारित पोस्ट-क्वांटम कार्यान्वयन
9.	आईआईटी दिल्ली	उत्कृष्टता का केंद्र कार्यक्रम	मिक्सिंगुअल स्पीच कॉर्पस में बहुभाषी और मल्टी मोडल कीबोर्ड सर्च के लिए पद्धति और उपकरण
10.	दूरसंचार कम्बोडिया	सी-डॉट के वॉयरलेस, ऑप्टिकल उत्पाद और सॉफ्टवेयर समाधान	सी-डॉट के नवोन्मेषी और उन्नत दूरसंचार समाधान और सेवाओं के वितरण और कार्यान्वयन के साथ कंबोडिया में ग्राहकों और सेवा प्रदाताओं को दूरसंचार में भारतीय आरएंडडी प्रयासों का तालमेल करना

क्र.सं.	रणनीतिक साझेदार	निष्पादन योग्य परियोजना
ख	विनिर्माताओं के साथ टीओटी समझौतों पर हस्ताक्षर	
1	सीएससी वाई-फाई चौपाल	पीजीओएन-चतुर दामिनी, ओएनटी 11 और तितली
2	कायन्स टेक्नोलॉजी इंडिया प्रा. लिमिटेड	पीडीओ
3	कायन्स टेक्नोलॉजी इंडिया प्रा. लिमिटेड	बीबीडब्ल्यूटी (एचएसएपी+सौर)
4	कायन्स टेक्नोलॉजी इंडिया प्रा. लिमिटेड	जीपॉन- ओएलटी5एक्स, चतुर दामिनी, ओएनटी 11, तितली, मिनी ओएलटी
5	बीईएल कोटद्वार	बीबीडब्ल्यूटी (सौर वाई-फाई+एचएसएपी)

3. परिसर अवसंरचना

कई वर्षों के प्रयासों के बाद सी-डॉट परिसर अवसंरचना समूह आवश्यक वैधानिक स्वीकृति मिलने के बाद दो बोर-वेल्स की खुदाई के जरिए अपनी पानी की जरूरतें पूरी करने में सफलता प्राप्त कर चुका है। परिसर की पानी की मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त बुनियादी सुविधा के तौर पर बड़े पैमाने पर जलापूर्ति के लिए दिल्ली जल बोर्ड के पानी का कनेक्शन भी लिया गया है। वर्षा जल संचयन और समय-समय पर उसका अनुरक्षण सी-डॉट परिसर के भूमिगत जल स्तर को समृद्ध बनाने का एक अन्य बहुमूल्य संसाधन है।

आवास और होस्टल परियोजना के लिए पर्यावरण संबंधी स्वीकृति सहित समस्त आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं। काम शुरू करने के लिए सी-डॉट बोर्ड ने 5 करोड़ के बजट को भी मंजूरी दे दी

है। आवास और होस्टल का शिल्प और डिजाइन पर्यावरण के अनुकूल दिशानिर्देशों के अनुरूप बनाया गया है। आर्किटेक्ट ने परियोजना के लिए विस्तृत पीईआरटी, अनुमान और मसौदा निविदा जमा करा दी है। निविदा को अंतिम रूप देने के लिए अधिकार प्राप्त समिति आवश्यक मूल्यांकन कर रही है।

परिसर को पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में 1.157 एमडब्ल्यूपी रूफ टॉप सोलर (सोलर आरटीएस) सिस्टम मैसर्ज सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड इंडिया से साझेदारी के साथ संस्थापित किया गया है। यह परियोजना दिल्ली और बेंगलुरु में क्रमशः 600 केडब्ल्यूपी और 557 केडब्ल्यूपी क्षमता के लिए संस्थापित की गई है, जो सफलतापूर्वक जारी है।



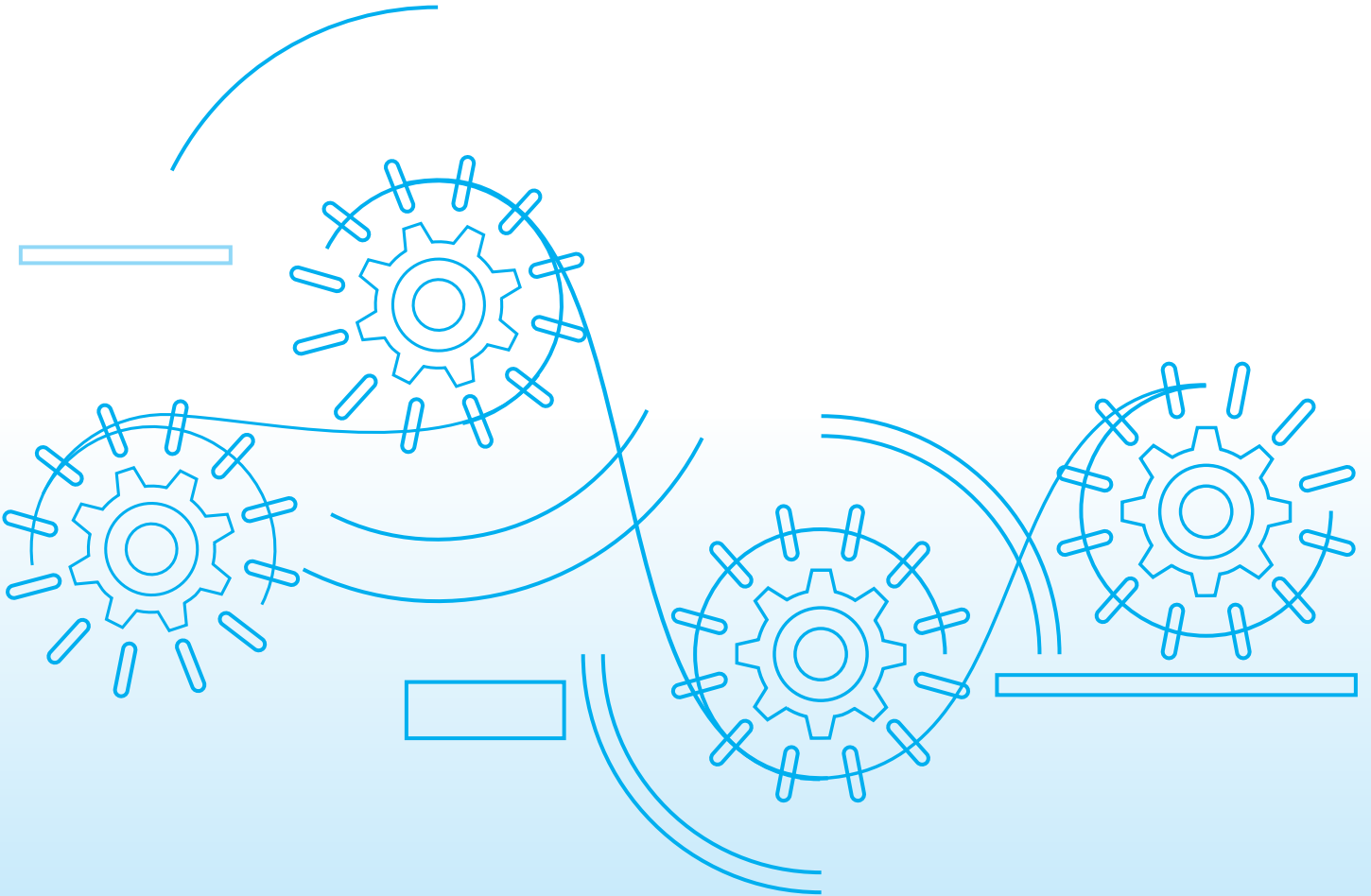
संगठनात्मक प्रक्रियाएं और पद्धतियां

सीएमएमआई परिपक्वता स्तर 5 को बनाए रखने और पी-सीएमएम कार्यान्वयन शुरू करने के लिए संगठनात्मक प्रक्रियाएं और पद्धतियां

सीएमएमआई परिपक्वता स्तर 5 के लिए संगठन का 2014 में सफलतापूर्वक आकलन किया गया और वैधता की अवधि समाप्त होने के बाद 2017-में विकास परियोजनाओं से संबंधित इसकी प्रक्रियाओं और पद्धतियों का फिर से सफलतापूर्वक आकलन किया गया।

वित्त वर्ष 2018-2019 के दौरान, उच्च परिपक्वता स्तर की प्रथाओं को बनाए रखना तथा उन्हें और सुधार लाना जारी है और नियमित आंतरिक ऑडिट के माध्यम से उनका मूल्यांकन किया जा रहा है। 2020 में होने वाले अगले पुनः मूल्यांकन के लिए तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं।

वित्तीय वर्ष 2018-2019 में पी-सीएमएम पद्धतियों के कार्यान्वयन और इनके मूल्यांकन की दिशा में भी पहल की गई। हितधारकों के प्रारंभिक अभिविन्यास के बाद, बाहरी विशेषज्ञों द्वारा खामियों के बारे में एक औपचारिक विश्लेषण किया गया है, और पी-सीएमएम स्तर 2 की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बतायी गई खामियों को दूर किया जा रहा है।



बौद्धिक संपदा अधिकार

वित्त वर्ष 2018-19 में प्रदान किए गए पेटेंट्स का विवरण

क्र.सं.	शीर्षक	देश
1.	सूचना यंत्र उपकरण में सुरक्षा में संध को रोकने की पद्धति और एक सूचना यंत्र उपकरण	कनाडा
2.	मार्कर का उपयोग करते हुए जेस्चर बेस्ड ह्यूमन मशीन इंटरफेस	अमेरिका, ब्रिटेन
3.	वायरलेस फॉल-बैक के साथ लीज्ड लाइन नेटवर्क के प्रबंधन के लिए एक संचार प्रणाली	भारत

वित्त वर्ष 2018-19 में दायर किए गए पेटेंट का विवरण

क्र.सं.	शीर्षक	देश
1.	लोड संतुलन हासिल करने के लिए रैपिडएलओ® नेटवर्क	भारत, पीसीटी
2.	कॉन्फिगरेबल लॉजिक डिवाइस की ऑन बोर्ड प्रोग्रामिंग के लिए पद्धति और प्रणाली	भारत
3.	गिगाबिट पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क्स में एक ऑप्टिकल टाइम-डोमेन रिफ्लेक्टोमीटर का विन्यास करने के लिए लर्निंग-बेस्ड पद्धति और प्रणाली	भारत, पीसीटी
4.	सेट टॉप बॉक्स के वैयक्तिकरण के लिए प्रणाली	भारत
5.	सिस्टम और विधि एक सेट टॉप बॉक्स में सेवा की गुणवत्ता की निगरानी करने की पद्धति और प्रणाली	भारत
6.	भारतीय आपदा परिदृश्य में लोरा मॉड्यूलेशन का उपयोग करके लंबी दूरी पर वॉयस कम्युनिकेशन को समर्थ बनाने के लिए प्रणाली	भारत
7.	सामान्यीकृत मल्टीप्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग में उपकरण का चयन करने की पद्धति	भारत
8.	ईथरनेट वर्चुअल कनेक्शंस का रियल-टाइम डिस्ट्रिब्यूटेड इंजन फ्रेमवर्क	चीन, जापान, ब्रिटेन, अमेरिका
9.	सामान्यीकृत मल्टीप्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग में उपकरण का चयन करने की पद्धति	अमेरिका
10.	रिवर्स ओटीपी के माध्यम से इंटरऑपरेबल सेट टॉप बॉक्स को सुरक्षित करना	चीन, कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका
11.	जीआईएस आधारित केंद्रीकृत कार्बन फुटप्रिंट मॉनिटरिंग सिस्टम और उसकी पद्धति	चीन, ब्रिटेन, अमेरिका, केन्या, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका
12.	नेटवर्क ट्रैफिक स्लाइसिंग के लिए प्रणाली और पद्धति	चीन, अमेरिका, केन्या, कोरिया, यूरोप
13.	इवेंट जनरेशन एंड मैनेजमेंट सिस्टम	पीसीटी
14.	आईईईई 802.11 नेटवर्क में डायनामिक चैनल चयन	पीसीटी
15.	मिक्स लिंगुअल स्पीच कॉर्पस में बहुभाषी और मल्टी मोडल कीबोर्ड सर्च के लिए पद्धति, प्रणाली और उपकरण	पीसीटी

भारत में फाइल किए गए डिजाइन

क्र.सं.	शीर्षक
1.	4 पोर्ट ऑफिस ओएलटी
2.	डब्ल्यूएपी वाई फाई राउटर
3.	एक्स.जीपॉन ओएनटी

भारत में पंजीकृत ट्रेडमार्क

क्र.सं.	ट्रेडमार्क का नाम / लोगो
1.	सी-डॉट
2.	सीजीरैन

भारत में दाखिल किए गए ट्रेडमार्क

क्र.सं.	ट्रेडमार्क का नाम / लोगो
1.	सी-टैक

भारत में प्रदान किए गए कॉपीराइट्स

क्र.सं.	शीर्षक
1.	सी-डॉट जीपॉन ईएमएस सिमुलेटर
2.	मल्टी रेडियो आधारित सी-डॉट बीबीडब्ल्यूटी प्रणाली के नियंत्रण, विन्यास और निगरानी के लिए ग्राफिकल यूजर इंटरफेस
3.	बीबीडब्ल्यूटी प्रणाली के लिए सी-डॉट का एमआईबीएस आधारित विशिष्ट एसएनएमपी एजेंट
4.	पीडीओ एपीपी
5.	सार्वजनिक डेटा कार्यालय (पीडीओ) के लिए सॉफ्टवेयर
6.	एलसीटी और जीपॉन उपकरण के बीच संचार के लिए लिंक प्रबंधन इंटरफेस
7.	एनओएफएन-एसएलए
8.	एनओएफएन-डीसीएनएमएस
9.	डैशबोर्ड फ्रेमवर्क
10.	एम 2 एम ईएमएस
11.	इवॉल्ड नोड बी (सीडी में जेएवीए) के लिए एलिमेंट मैनेजमेंट सिस्टम
12.	नोड कॉन्फिगरेशन उपकरण
13.	डीडब्ल्यूडीएम ईएमएस
14.	जी-पॉन ईएमएस

भारत में दाखिल किए गए कॉपीराइट्स

क्र.सं.	शीर्षक
1.	मल्टी रेडियो आधारित सी-डॉट बीबीडब्ल्यूटी प्रणाली के नियंत्रण, विन्यास और निगरानी के लिए ग्राफिकल यूजर इंटरफेस
2.	बीबीडब्ल्यूटी प्रणाली के लिए सी-डॉट का एमआईबीएस आधारित विशिष्ट एसएनएमपी एजेंट
3.	पीडीओ एपीपी
4.	सार्वजनिक डेटा कार्यालय (पीडीओ) के लिए सॉफ्टवेयर
5.	एलसीटी और जीपॉन उपकरण के बीच संचार के लिए लिंक प्रबंधन इंटरफेस
6.	एनओएफएन-एसएलए
7.	एनओएफएन-डीसीएनएमएस
8.	डैशबोर्ड फ्रेमवर्क
9.	एम 2 एम ईएमएस

पत्र प्रकाशनों का विवरण

क्र.सं.	शीर्षक	प्रकाशन/सम्मेलन का विवरण
1.	आइसोलेटिंग एंड रिपोर्टिंग फ्लक्चुएशन रिमोटली विद् प्रिवेंटिंग सर्विस फ्रॉम द ट्रेप लोड	पुणे, महाराष्ट्र में 6-8 अप्रैल 2018 को प्रौद्योगिकी में कन्वर्जेंस के लिए तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई2सीटी)
2.	अ रैपिडएलओ-ईथरनेट सिस्टम आर्किटेक्चर फॉर टीडीएम-बेस्ड सेटेलाइट रिसेवर	कोलमार, फ्रांस में 11-13 जुलाई 2018 को 2018 कंप्यूटर, सूचना और दूरसंचार प्रणाली (सीआईटीएस 2018), अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
3.	पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क्स : रिव्यू एंड रोड अहेड	जाजू द्वीप, कोरिया में 28-31 अक्टूबर, 2018 को आईईईई टेंकॉन 2018-2018 आईईईई रीजन 10 सम्मेलन
4.	सिंक्रोनाइजेशन ऑफ बस्टी क्यूपीएसके नैरोबैंड सेटेलाइट रिसेवर हैविंग लार्ज सीएफओ-एन इम्लीमेंटेशन ऑन सी66एक्स टीआई डीएसपी	ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में 22-25 जनवरी 2019 को इलेक्ट्रॉनिक, सूचना और संचार 2018 (आईसीआईसी 2019) पर 18 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
5.	सी4.5 डिसिजन ट्री मशीन लर्निंग ऐल्गोरिदम बेस्ड जीआईएस रूट आइडेंटिफिकेशन	प्राग, चेक गणराज्य में 3 जुलाई' 18 से 6 जुलाई' 18, तक सर्वव्यापी और भविष्य नेटवर्क पर, 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
6.	वन एम2एम कॉम्प्लायंट सेंसर नेटवर्क फॉर स्मार्ट फार्मिंग एंड सेलुलर रेडिएशन मॉनिटरिंग	पुणे में 6-8, अप्रैल 2018 को आईईईई 3 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस फॉर कन्वर्जेंस इन टेक्नोलॉजी आई2सीटी 2018
7.	कॉन्फिगरेबल यूजर इंटरफेस- अ पर्सपेक्टिव फ्रॉम इंटरऑपरेबल एसटीबी	लखनऊ, उप्र, भारत में 25-27 अक्टूबर, 2018 को आईसी4टी -2018
8.	आईपी ट्रेड्स इन 5जी टैक्नोलोजीस	अहमद इब्राहिम कुल्लियाह ऑफ लॉज इंटरनेशनल इस्लामिक यूनिवर्सिटी, मलेशिया में 31 जनवरी-1 फरवरी 2019 को एशिया के प्रथम आईपी और नवोन्मेषी शोधकर्ता सम्मेलन
9.	लोरावेन नेटवर्क कैपेसिटी फॉर प्रैक्टिकल नेटवर्क प्लानिंग	नई दिल्ली में 09-15 मार्च 2019 को 2019 यूआरएसआई एशिया पैसिफिक रेडियो साइंस कॉन्फ्रेंस
10.	डीएसपी इम्लीमेंटेशन ऑफ ओक्यूपीएसके बेसबैंड डीमॉड्यूलैटर फॉर जियोसिंक्रोनस मल्टीचैनल टीडीएमए सेटेलाइट रिसेवर	लंदन, यूके में 25-26 फरवरी, 2019 को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (आईसीआईसीटी -2019)
11.	सप्रेशन ऑफ कॉमन एंड डिफरेंशियल कॉम्पोननेंट ऑफ क्रॉसटॉक कपलिंग ऑन टू द डिफरेंशियल लाइन एंड फील्ड एनालिसिस ऑफ द क्रॉसटॉक	लॉन्ग बीच, अमेरिका में 30 जुलाई-3 अगस्त 2018 को इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कम्पैटिबिलिटी, सिग्नल इंटीग्रिटी और पावर इंटीग्रिटी (ईएमसी, एसआई और पीआई) पर 2018 आईईईई संगोष्ठी
12.	थ्रुपुट इम्प्रूवमेंट बाइ यूजिंग डायनेमिक चैनल सलेक्शन इन 2.4 गीगाहर्ट्ज बैंड ऑफ आईईईई 802.11 डब्ल्यूएलएएन	प्राग, चेक गणराज्य में 3-6 जुलाई, 2018 को आईसीयूएएन 2018

आईपीआर कार्यक्रम

हमारे विलक्षण नवोन्मेषों का आधार रहे सी-डॉट के हमारे साथियों के बौद्धिक सामर्थ्य का अभिनंदन और सम्मान करने के लिए दिल्ली और बेंगलुरु परिसरों में आईपीआर दिवस मनाया गया।

दिल्ली के नवोन्मेषकों को 10 जुलाई 2018 को माननीय मुख्य अतिथि, भारतीय उद्योग परिसंघ के वरिष्ठ सलाहकार श्री राघवेंद्र साहा और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), के संयुक्त सचिव श्री अनिल कुमार संधी ने सम्मानित किया।

बेंगलुरु के नवोन्मेषकों को 28 जून 2018 को माननीय मुख्य अतिथि

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के प्रोफेसर के पी जे रेड्डी ने सम्मानित किया।

पेटेंट गुणवत्ता के निर्धारकों पर आईपीआर सत्र के आयोजन का उद्देश्य पेटेंट की गुणवत्ता को बढ़ाना था। इससे पहले कला खोज और पेटेंट क्षमता को केस स्टडी के साथ समझाया गया। सी-डॉट दिल्ली और बेंगलुरु में इस सत्र का संचालन मैसर्स लाल, लाहिड़ी एंड सल्लोत्रा की पेटेंट एसोसिएट सुश्री प्रिया चौहान ने आविष्कारकों के मस्तिष्क में उठने वाले सभी प्रमुख प्रश्नों को स्पष्ट करने के लिए किया।

ज्ञान प्रबंधन



प्रशिक्षण

सी-डॉट के कर्मचारियों के कौशल बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। इसके लिए कर्मचारियों को विभिन्न सेमिनारों और सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कर्मचारियों के लिए तकनीकी, प्रबंधकीय और सॉफ्ट-स्किल दोनों ही क्षेत्रों में विभिन्न आंतरिक और बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

वर्ष 2018-2019 के दौरान जिन विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया, उनमें आईपी, एमपीएलएस, न्यूरल नेटवर्क्स, एमएस-एक्सेल, क्लाउड कंप्यूटिंग, जीएसटी, मोबाइल ब्रॉडबैंड क्यूओएस, 5जी और उभरती प्रौद्योगिकियां, सार्वजनिक खरीद, ई-खरीद एवं जीईएम, क्रिप्टोग्राफी, विभिन्न वायरलेस प्रौद्योगिकियां, हडूप/बिग डेटा, ब्लॉकचेन, सीएमएमआई प्रक्रियाएं और पीसीएमएम, डीएमएफ डीएफटी, ईएमआई/ईएमसी, कॉन्फिगरेशन प्रबंधन, मूल्य इंजीनियरिंग और

विश्वसनीयता, कानूनी पहलू, ग्राहक उत्कृष्टता का परिचय, 3डी सॉलिड वर्क्स, प्रक्रिया प्रबंधन और सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण शामिल हैं।

कार्यकारी प्रशिक्षण भी इस वर्ष के प्रशिक्षण कार्यक्रम का अंग था। इस दौरान प्रतिभागियों ने नेतृत्व की संस्कृति, स्वयं को और अंतरवैयक्तिक संबंधों को समझना, लीडिंग सेल्फ, बीइंग हैप्पी: बॉडी, माइंड एंड सोल, प्रभावी अंतरवैयक्तिक संबंध बनाना, सहयोग की संस्कृति बनाना, प्राइड एंड टाइम मैनेजमेंट, रचनात्मक ढंग से समस्याओं को सुलझाना जैसे विषयों पर सॉफ्ट स्किल वर्कशॉप में भाग लिया। कार्य का नीतिशास्त्र, आंतरिक और बाहरी ग्राहकों के लिए ग्राहक संवेदनशीलता, व्यवहारिक एक्सेल ट्रेनिंग भी प्रशिक्षण का हिस्सा थी।

सीनियर रिसर्च इंजीनियर्स (उत्कर्षण) के लिए प्रशिक्षण इस वर्ष के प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसमें प्रतिभागियों ने सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम्स, नेतृत्व के कौशलों, नीतिशास्त्र इत्यादि में भाग लिया।



ज्ञान प्रबंधन केंद्र

ज्ञान प्रबंधन केंद्र की स्थापना दिल्ली और बंगलुरु केंद्रों में सी-डॉट शोध एवं विकास गतिविधियों में समर्थन के लिए नवीनतम वैज्ञानिक एवं तकनीकी सूचना उपलब्ध कराने के लिए की गई है। इसमें 25332 से अधिक तकनीकी पुस्तकों, 3405 हिंदी पुस्तकों और 82 से अधिक आवधिकों एवं पत्रिकाओं के समृद्ध संग्रह के अलावा देश के 13 अग्रणी अखबारों और न्यूजलैटर्स का समृद्ध संग्रह भी शामिल है। वर्ष 2018-2019 के लिए कुल 163, जिनमें 44 हिंदी पुस्तकें और 3 ऑनलाइन डेटाबेस हैं, पुस्तकालय संग्रह में शामिल किए गए हैं।

डॉट ने एमसीआईटी कनसॉर्टिया के जरिए आईईईई और एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी को भी सब्सक्राइब किया है। आईईईई एकसप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियंता संस्थान (आईईईई) और उसके प्रकाशन साझेदारों द्वारा प्रकाशित वैज्ञानिक एवं तकनीकी पाठ्य सामग्री की खोज एवं पहुंच के लिए सशक्त संसाधन है। एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी (डीएल) कम्प्यूटिंग और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आज फुल-टेक्स्ट आलेखों और

बिबलियोग्राफिक रिकॉर्ड का सबसे व्यापक संग्रह है। फुल-टेक्स्ट डेटाबेस में जर्नल, सम्मेलन की कार्यवाही, पत्रिकाओं, न्यूजलैटर और मल्टीमीडिया टाइटल्स सहित एसीएम प्रकाशनों का सम्पूर्ण संग्रह शामिल है।

संस्थानिक सदस्यताएं

सूचना के आदान-प्रदान और सूचना संसाधनों को साझा करने के लिए उपयुक्त एवं अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क में भाग लेने के लिए सी-डॉट ने 20 अग्रणी पेशेवर संस्थाओं की सदस्यता ली है।

ये सदस्यता सी-डॉट के कर्मचारियों को अपने पेशेवर विकास को बढ़ावा देने, अपने क्षेत्र में ज्ञान बढ़ाने तथा नेटवर्किंग की संभावनाओं का विस्तार करने में समर्थ बनाती हैं। इससे उन्हें उद्योग में नवीनतम नवाचारों, शोध और रुझानों से भी परिचित रहने में भी मदद मिलती है।

सी-डॉट के पास निम्नलिखित सदस्यताएं हैं :

सी-डॉट की कॉर्पोरेट सदस्यता

क्र.सं.	सदस्यता का नाम	वर्तमान अवधि	सदस्यता का प्रकार	संबंधित दस्तावेज
1.	अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) www.aima-ind.org	अप्रैल 2018-मार्च 2019	संस्थानिक सदस्यता 1994 से	एआईएमए दस्तावेज निर्देशिका
2.	एशिया पैसिफिक टेलीकम्युनिटी (एपीटी) www.aptsec.org	जनवरी 2018-दिसम्बर 2018	एफिलिएट सदस्यता 2002 से	-
3.	एशिया प्रशांत नेटवर्क सूचना केंद्र (एपीएनआईसी) www.apnic.net	नवम्बर 2017-अक्टूबर 2018	एसोसिएट सदस्यता 2005 से	-
4.	करंट साइंस एसोसिएशन www.currentscience.ac.in	आजीवन सदस्यता	संस्थानिक सदस्यता 2016 से	-
5.	दिल्ली प्रबंधन संघ (डीएमए) www.dmadelhi.org	मई 2018-अप्रैल 2019	पैट्रन सदस्यता 1996 से	डीएमए ई-न्यूज इश्यूज / रिव्यूज डायरेक्ट्रीज
6.	भारतीय इलेक्ट्रॉनिक उद्योग संघ (ईएलसीआईएनए) www.elcina.com	मई 2018-अप्रैल 2019	एसोसिएट सदस्यता 2010 से	-
7.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद (ईएससी) www.escindia.in	अप्रैल 2018-मार्च 2019	एसोसिएशन 2009 से	-

क्र.सं.	सदस्यता का नाम	वर्तमान अवधि	सदस्यता का प्रकार	संबंधित दस्तावेज
8.	यूरोपीय दूरसंचार मानक संस्थान (ईटीएसआई) http://www.etsi.org	जनवरी 2018—दिसम्बर 2018	एसोसिएट सदस्यता 1999 से	—
9.	फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) काउंसिल http://www.Gthcouncilap.org	जनवरी 2018—दिसम्बर 2018	सिल्वर सदस्यता 2010 से	—
10.	3 जीपीपी http://www.3gpp.org/	अप्रैल 2018—मार्च 2019	व्यक्तिगत सदस्यता	—
11.	इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) http://www.iesaonline.org	अप्रैल 2018—मार्च 2019	2013 से	—
12.	इन्स्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स (आईओडी) http://www.iodonline.com	नवम्बर 2017—अक्टूबर 2018	सांस्थानिक सदस्यता 2015 से	—
13.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार अभियंता संस्थान (आईईटीई) http://www.iete.org	आजीवन सदस्यता	सांगठनिक सदस्यता 2010 से	—
14.	इंटरनेट प्रोटोकॉल टेलीविजन सोसायटी (आईपीटीवी) ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम http://www.iptvforum.org.in	अप्रैल 2018—मार्च 2019	कॉरपोरेट सदस्यता 2015 से	—
15.	राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर एवं सेवा संघ (एनएसएससीओएम) www.nasscom.in	अप्रैल 2018—मार्च 2019	एसोसिएट सदस्यता 1996 से	—
16.	वनएम2एम http://www.onem2m.org/	अप्रैल 2018—मार्च 2019	व्यक्तिगत सदस्यता	—
17.	पैसिफिक टेलीकम्युनिकेशन काउंसिल (पीटीसी) इंडिया फाउंडेशन www.ptcif.org	अप्रैल 2018—मार्च 2019	कॉरपोरेट सदस्यता 1997 से	—
18.	पीआईसीएमजी http://www.picmg.org	जुलाई 2018—जून 2019	एसोसिएट सदस्यता 2015 से	—
19.	दूरसंचार उपकरण एवं सेवा निर्यात संवर्धन केंद्र (टीईपीसी) http://www.telecomepc.in	अप्रैल 2018—मार्च 2019	2015 से	—

क्र.सं.	सदस्यता का नाम	वर्तमान अवधि	सदस्यता का प्रकार	संबंधित दस्तावेज
20.	दूरसंचार मानक विकास सोसायटी, इंडिया (टीएसडीएसआई) http://www.tsdsi.org/	अप्रैल 2018—मार्च 2019	सांस्थानिक सदस्यता 2014 से	—
21.	टीएम फोरम http://www.tmforum.org/	मई 2018—अप्रैल 2019	कॉरपोरेट सदस्यता 2017 से	—
22.	वाई—फाई अलायंस http://www.wi-fi.org	जनवरी 2018—दिसम्बर 2018	नियमित सदस्यता 2016 से	—
23.	वायरलेस ब्रॉडबैंड अलायंस http://www.wballiance.com/	जनवरी 2018—दिसम्बर 2018	सामान्य सदस्यता 2016 से	—
पुस्तकालय सदस्यता				
24.	अमेरिकन सेंटर http://amlibindia.state.gov .	मार्च 2017—अप्रैल 2018	संगठनात्मक सदस्यता	—
25.	ब्रिटिश काउंसिल www.britishcouncil.in/	अप्रैल 2017—मई 2018	10 सदस्यता तक पहुंच	पुस्तकालय सदस्यता दस्तावेज निर्देशिका
26.	डेलनेट http://delnet.nic.in	मई 2017—जून 2018	सांस्थानिक सदस्यता	—

एप्रेंटिस प्रशिक्षण

एप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना, एप्रेंटिसेज अधिनियम, 1961 के तहत गठित प्रमुख वैधानिक निकाय केंद्रीय एप्रेंटिसशिप परिषद (सीएसी) की ओर से निर्धारित नीतियों और दिशानिर्देशों के अनुसार, स्नातक अभियंताओं, डिप्लोमा धारकों (टेक्नीशियन्स) और करीब 10,000 औद्योगिक प्रतिष्ठानों/संगठनों से उत्तीर्ण 10+2 वोकेशनल को

व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराती है। इन दिशानिर्देशों के अनुसार सी—डॉट वार्षिक आधार पर एप्रेंटिसेज (स्नातक, डिप्लोमा और आईटीआई) भी लेती है।

श्रेणी	31.03.18 तक ऑन रोल	01 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 की अवधि			31.03.18 तक संख्या
		भर्ती	त्यागपत्र देने वाले	पूर्ण करने वाले	
स्नातक	54	52	24	28	0
डिप्लोमा—तकनीकी	0	0	0	0	0
आईटीआई		03	03	0	030
योग	57	55	24	31	0

बिजनेस प्रमोशन

- हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, बीएसएनएल के लिए अखिल भारतीय आधार पर मैक्स का फील्ड समर्थन जारी रहेगा।
- इंटेलिजेंस मैनेजर के लिए विभिन्न एलएए को प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं। तीन स्थानों पर समाधान के कार्यान्वयन के लिए सिग्नलिंग इंटेलिजेंस से खरीद ऑर्डर प्राप्त हुए हैं।
- अनिवार्य परीक्षण दूरसंचार उपकरण के प्रमाणन (एमटीसीटीई) पोर्टल के विकास के लिए टीईसी से प्राप्त खरीद आदेश
- बीएसएनएल, पीजीसीआईएल, एमपी पुलिस आदि सहित विभिन्न संगठनों में संवाद ऐप के लिए प्रस्ताव दाखिल किए गए।
- एमटीएनएल के पास आईएमएस समाधानों के लिए दाखिल किए गए प्रस्ताव
- चेन्नई में बीएसएनएल नेटवर्क में 100 जी डीडब्ल्यूडीएम का फील्ड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा हो गया और प्रणाली का समावेशन करने के लिए बीएसएनएल को प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- राउटर और स्विचों की आपूर्ति के लिए बीईएल से खरीद आदेश (2) प्राप्त किए गए।
- वाईफाई उपकरणों की आपूर्ति और कमीशन के लिए टीईसी से प्राप्त खरीद आदेश।
- आईपी एक्सचेंज की प्राप्ति के लिए बीईएल को प्रस्ताव प्रस्तुत
- सीएपी के अनुरूप जियो इंटेलिजेंस आधारित इंडब्ल्यूपी के लिए एनडीएमए के पास दाखिल किए गए तकनीकी व्यावसायिक प्रस्ताव।
- वाईफाई परियोजना के चरण-III के लिए सीएससी के पास दाखिल किया गया प्रस्ताव।
- पीसीआर समाधान के लिए एनडीएमए को प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- सीएलएमवी देशों में डिजिटल विलेज के लिए टीसीआईएल के पास प्रस्ताव दाखिल किया गया।
- वाई-फाई कार्यान्वयन के लिए वडोदरा, गुजरात में एनएआईआर (रेलटेल) परिसर के पास प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- वाई-फाई कार्यान्वयन के लिए एएलटीटीसी गाजियाबाद (बीएसएनएल) को प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- पीजीसीआईएल में संवाद पीओसी का संचालन किया गया और इसके सफल समापन के बाद उसके लिए टेकनो वाणिज्यिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया।
- लैन के उन्नयन के लिए सक्रिय उपकरणों की आपूर्ति के लिए टीईसी के पास प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- नेटवर्क तत्वों की आपूर्ति के लिए एसपीआईसी, डीआरडीओ से खरीद आदेश प्राप्त हुआ।
- एक्सेस स्विच की आपूर्ति के लिए डीआरडीओ को प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया
- वीओआईपी टेलीफोनी समाधान के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) को प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।



प्राप्त पुरस्कार

1. माय इंडिया वाईफाई इंडिया 2018

डिजी अनैलिसिस द्वारा 6 मई, 2018 को नई दिल्ली के इम्पीरियल होटल में “माय इंडिया वाईफाई इंडिया” नामक एक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर सी-डॉट को तीन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। पहला पुरस्कार “बेस्ट मेक इन इंडिया वाईफाई कंपनी”, दूसरा “बेस्ट वाईफाई इनोवेशन” था जो कि बैलून वाईफाई को दिया गया था। इसके अलावा, सी-डॉट के कार्यकारी निदेशक श्री विपिन त्यागी को “वाईफाई लीडरशिप अवार्ड” से सम्मानित किया गया।



3. ईएलसीआईएनए पुरस्कार 2018

सी-डॉट को ईएलसीआईएनए द्वारा द ललित अशोक, बंगलुरु में 5 और 6 जुलाई, 2018 को आयोजित स्ट्रेटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स समिट में 5 जुलाई को दो प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए। रणनीतिक और अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान का जश्न मनाने और सम्मानित करने के लिए ईएलसीआईएनए द्वारा हर साल “डेफेनोवेशन अवार्ड्स” आयोजित किया जाता है। सी-डॉट को “आरएंडडी में उत्कृष्टता” श्रेणी में प्रथम पुरस्कार और “स्वदेशीकरण में उत्कृष्टता” श्रेणी में दूसरा पुरस्कार दिया गया।



4. एजिस ग्राहम बेल अवार्ड 2018

सी-डॉट के बेम्बू वाई-वाई ने 1 फरवरी 2019 को गोवा के पणजी में गोवा सरकार द्वारा आयोजित एजिस ग्राहम बेल अवार्ड्स के 9 वें संस्करण में नवाचारी दूरसंचारी उत्पाद यानी इनोवेटिव टेलीकॉम प्रोडक्ट की श्रेणी में पुरस्कार जीता। एजिस ग्राहम बेल पुरस्कार, एजिस स्कूल ऑफ बिजनेस, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी और टेलीकॉम की ओर से टेलीफोनी के जनक सर अलेक्जेंडर ग्राहम बेल के लिए श्रद्धांजलि के रूप में की गई एक पहल है। यह पुरस्कार सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई), और टेलीकॉम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (टीसीओई), कन्वर्जेंस इंडिया और ज्ञान भागीदार के रूप में केपीएमजी की सहायता से आयोजित किया जाता है।



5. वायरलेस ब्रॉडबैंड एलायंस (डब्ल्यू बीए), लंदन में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

सी-डॉट ने वायरलेस ब्रॉडबैंड एलायंस (डब्ल्यूबीए), में “ग्रामीण या दूरस्थ क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ वायरलेस तैनाती” श्रेणी में सबसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार सी-डॉट को वाईफाई समाधान के माध्यम से डिजिटल गांव (मेरठ जिले के रोहता ब्लॉक) के संदर्भ में प्रदान किया गया।



प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

प्रौद्योगिकी के विकास और दक्षता के साथ प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की बदौलत भारत के लिए सक्षम विनिर्माण व्यवस्था का निर्माण संभव हो सका है। सी-डॉट के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) के दर्शन का लक्ष्य प्रौद्योगिकी प्रसार की प्रक्रिया और कार्यों में भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप उच्च सफलता प्राप्त करना है। इसका लक्ष्य विभिन्न प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने वालों को केवल अवसंरचना संबंधी आवश्यकताओं और उत्पादन की आवश्यक जानकारी के बारे में शिक्षित करना ही नहीं है, बल्कि लाइसेंस प्राप्त विनिर्माताओं को पूंजी उपकरण और संघटकों के स्रोतों और विनिर्देशों के बारे में विस्तृत ब्यौरा प्रदान करना भी है।

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान, सी-डॉट ने मौजूदा प्रौद्योगिकियों/उत्पादों को कवर करने वाले कुल 11 टीओटी समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन 11 टीओटी में से 9 पर निजी क्षेत्र के विनिर्माताओं के साथ, जबकि 2 पर सीपीएसयू के साथ हस्ताक्षर किए गए। 31 मार्च 2019 तक, 26 प्रौद्योगिकियों के लिए 25 अलग लाइसेंसधारकों के साथ कुल 93 टीओटी पर हस्ताक्षर किए गए। सी-डॉट ने अपने टीओटी के माध्यम से मैसर्ज बीईएल, मैसर्ज ईसीआईएल और मैसर्ज आईटीआई लिमिटेड जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ निकट सहयोग से काम करने के जरिए जीपॉन, एसटीबीआर, बीबीडब्ल्यूटी

मैक्स-एनजी, एएनरैक्स प्रौद्योगिकियों की व्यापक तैनाती के लिए बड़े पैमाने पर विनिर्माण में सहायता दी है। भारतनेट में जीपॉन के अखिल भारतीय स्तर पर प्रसार के लिए सी-डॉट आईटीआई की विभिन्न इकाइयों और निजी विनिर्माण साझेदारों जैसे मैसर्ज यूटीएल और मैसर्ज तेजस नेटवर्क्स लिमिटेड के साथ मिलकर काम कर रहा है और बड़ी तादाद में उपकरण नेटवर्क में लगाए जा चुके हैं जबकि उन्हें लगाने का कार्य पूरा करने के प्रयास जारी हैं। इन्हें लगाए जाने से भारतनेट के निर्माण को सकारात्मक प्रोत्साहन मिला है, जो भारत सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल को सक्षम अवसंरचना उपलब्ध कराता है।

सीपीएसयू सहित सी-डॉट के तकनीकी विनिर्माण साझेदार और खासतौर पर निजी क्षेत्र के मैसर्ज कायेन्स टैक्नॉलोजी, मैसर्ज सीएंट लिमिटेड जैसे लाइसेंसधारक सी-डॉट प्रौद्योगिकी साझेदार सोलर/हाई स्पीड एक्सेस ब्रॉडबैंड वायरलेस टर्मिनल्स जैसे वाईफाई आधारित उत्पादों के लिए कारोबार के गैर सरकारी वर्ग तक पहुंच बनाने के लिए सी-डॉट के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इस अवधि के दौरान सी-डॉट इंटरऑपरेबल सेट टॉप बॉक्स (सीआईएसटीबी) (ट्राई की एक पहल) को भी बढ़ावा दिया गया।

कार्यक्रम 2018-19

अप्रैल 2018

- ◆ डिफेंस एक्सपो 2018

मई 2018

- ◆ विश्व दूरसंचार एवं सूचना समाज दिवस, 2018

जुलाई 2018

- ◆ स्ट्रैटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स समिट 2018

अगस्त 2018

- ◆ आईईईई के कार्यकारी निदेशक ने सी-डॉट का दौरा किया
- ◆ सी-डॉट का 35वां स्थापना दिवस समारोह

सितंबर 2018

- ◆ आईटीयू डरबन में सी-डॉट
- ◆ भारत-आसियान आईसीटी एक्सपो 2018, हनोई, वियतनाम में सी-डॉट

अक्टूबर 2018

- ◆ भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2018, लखनऊ
- ◆ इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2018

नवम्बर 2018

- ◆ आईटीई, बिज 2018

दिसम्बर 2018

- ◆ आईआईसीआई 2018

जनवरी 2019

- ◆ भारतीय विज्ञान कांग्रेस 2019
- ◆ एम2एम + आईओटी फोरम
- ◆ कनवर्जेंस इंडिया 2019

फरवरी 2019

- ◆ इंडिया टेलीकॉम 2019
- ◆ नैतिकता और स्वायत्त एआई प्रणालियों के शासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
- ◆ मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2019

मार्च 2019

- ◆ सी-डॉट ने कंबोडिया के दूरसंचार मंत्रालय का दौरा किया



1. डिफेंस एक्सपो 2018

सी-डॉट ने थल, समुद्री और आंतरिक सुरक्षा प्रणालियों से संबंधित एक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी— डिफेंस एक्सपो 2018 के 10वें संस्करण में भाग लिया— जिसका आयोजन तिरुविदंतई, तिरुपुरुर तालुक, कांचीपुरम, पूर्वी तट रोड, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत में 11 से 14 अप्रैल तक किया गया। एक्सपो के दौरान 30 से अधिक देशों ने अपने रक्षा कौशलों का प्रदर्शन किया।



2 विश्व दूरसंचार एवं सूचना समाज दिवस, 2018

विश्व दूरसंचार दिवस 1969 से प्रतिवर्ष 17 मई को मनाया जाता रहा है। इसे अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) की स्थापना और 1865 में पहले अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ कन्वेंशन पर हस्ताक्षर होने की याद में मनाया जाता है।



दूरसंचार विभाग के निर्देशानुसार, सी-डॉट बेंगलुरु में 17 मई 2018 को विश्व दूरसंचार एवं सूचना समाज दिवस मनाया गया।

इस वर्ष का थीम “सभी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक उपयोग सक्षम करना” था।

सी-डॉट ने “सभी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक उपयोग सक्षम करना” पर चर्चा करने के लिए आईआईआईटी बेंगलूर से डॉ. वी. श्रीधर को आमंत्रित किया।

3. स्ट्रैटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स समिट 2018

स्ट्रैटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स समिट (एसईएस 2018) का 9वां संस्करण — डिफेंस एंड एयरोस्पेस, 5 और 6 जुलाई, 2018 को द ललित अशोक होटल, बेंगलुरु में आयोजित किया गया। 2010 से 2017 तक एसईएस के पिछले आठ संस्करण उद्योग, रक्षा प्रतिष्ठान और सरकार को सफलतापूर्वक एक मंच साथ लाये और इसका दायरा साल-दर-साल बढ़ रहा है।





एसईएस 2018 के 8वें संस्करण का उद्घाटन डॉ. वी. के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा किया गया। श्री संजय कुमार राकेश, संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, मेजर जनरल एम.जे.एस. सैयाली, एडीजी ईएमई (बी), रक्षा मंत्रालय (थलसेना) के सूचना मुख्यालय तथा रियर एडमिरल अतुल खन्ना, सहायक प्रमुख-सामग्री, भारतीय नौसेना के साथ-साथ उद्योग के कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में 400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन और प्रदर्शनी में रक्षा अधिकारियों सहित बड़े रक्षा खरीदारों ने गहरी दिलचस्पी दिखाई।

सी-डॉट ने जीपॉन, वाईफाई प्रौद्योगिकियों और ज्ञानसेतु सहित अपनी विभिन्न तकनीकों और उत्पादों का प्रदर्शन किया। सी-डॉट को इवेंट के दौरान "अनुसन्धान और विकास में उत्कृष्टता" श्रेणी में प्रथम पुरस्कार और "स्वदेशीकरण में उत्कृष्टता" श्रेणी में दूसरा पुरस्कार भी दिया गया था।



4 आईईईई के कार्यकारी निदेशक ने सी-डॉट का दौरा किया

आईईईई के कार्यकारी निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी स्टीफन पी वेल्बी ने इंडिया ऑपरेशन्स के वरिष्ठ निदेशक हरीश मैसूर के साथ दिल्ली में सी-डॉट परिसर का दौरा किया। इस दौरान उन्हें जीपॉन, ज्ञानसेतु और कई तरह के सी-डॉट के उत्पादों से अवगत कराया गया।



5. सी-डॉट का 35वां स्थापना दिवस समारोह

सी-डॉट ने अपना 35 वां स्थापना दिवस 28-29 अगस्त, 2018 को मनाया। सी-डॉट ने इस साल भी अपनी परंपरा को बरकरार रखते हुए, "जीबी मीमांसी व्याख्यान श्रृंखला 2018" के भाग के रूप में एक तकनीकी सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें ब्रिटेन, अमेरिका के विश्वविद्यालयों और आईआईटी के कुछ प्रतिष्ठित प्रोफेसरों सहित दुनिया भर के अनेक दूरसंचार दिग्गज और शिक्षाविद शामिल हुए। उन्होंने अपने पेचीदा अनुभवों को साझा किया तथा भारत और दुनिया भर में तेजी से बदल रहे दूरसंचार उद्योग में विभिन्न हितधारकों के



सामने मौजूद अनेक मुद्दों और चुनौतियों का समाधान करने के लिए अभिनव तरीकों पर चर्चा की। दूरसंचार विभाग की सचिव और दूरसंचार आयोग, भारत सरकार की अध्यक्ष श्रीमती अरुणा सुंदरराजन तथा दूरसंचार आयोग के अन्य सदस्यों ने अपनी उपस्थिति से उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर सी-डॉट के नवीनतम नवाचारों- “डीडब्ल्यूडीएम -80 चैनल” और “केवाईएम - नो योर मोबाइल” ऐप के साथ-साथ “5G इंडिया वेबसाइट” का भी आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया गया।

6. आईटीयू डरबन में सी-डॉट

सी-डॉट ने 13-15 सितंबर को दक्षिण अफ्रीका के डरबन में चौथे ब्रिक्स संचार मंत्रियों की बैठक में भाग लिया, इस उच्च स्तरीय टीम में शामिल कार्यकारी निदेशक, निदेशक-1 और प्रमुख विपणन ने बिजनेस प्रतिनिधियों के तौर पर प्रतिनिधित्व किया। इस 3-दिवसीय कार्यक्रम में व्यापारिक संवाद, बी 2 बी बैठकें और संबंधित चर्चाओं का आयोजन किया गया। दूरसंचार विभाग का प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संगठन होने के नाते, सी-डॉट ने प्रतिनिधिमंडल महत्वपूर्ण



योगदान देते हुए अपनी भूमिका निभाई और ब्रिक्स के सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ संभावित सहयोग का प्रयास किया। 14 सितंबर को सी-डॉट के कार्यकारी निदेशक श्री विपिन त्यागी ने ब्रिक्स बिजनेस टीमों, प्रतिनिधि उद्योगों और दक्षिण अफ्रीका के एसएमई / एमएसएमई को भारतीय अनुसंधान एवं विकास की भूमिका और विशेष रूप से सी-डॉट उत्पादों और किफायती दूरसंचार और आईटी विनिर्माण के लिए उनके टीओटी (प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण) के विषय में संबोधित किया। उन्होंने आपसी सहयोग, बातचीत और एक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया।

7. भारत-आसियान आईसीटी एक्सपो 2018, हनोई, वियतनाम में सी-डॉट

सी-डॉट ने सूचना एवं संचार मंत्रालय, वियतनाम तथा टेलीकॉम इक्विपमेंट एंड सर्विसेज एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (टीईपीसी) द्वारा 27-28 सितंबर, 2018 को हनोई, वियतनाम में आयोजित भारत-आसियान आईसीटी एक्सपो 2018 में भाग लिया। इस



कार्यक्रम का विषय- “औद्योगिक क्रांति 4.0 में डिजिटल कनेक्टिविटी” था। सी-डॉट ने स्वदेशी तकनीक से निर्मित अपने दूरसंचार समाधानों का प्रदर्शन किया और आसियान समकक्षों के साथ पूर्ण अधिवेशनों और बी 2 बी बैठकों में भी भाग लिया।

8. भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2018, लखनऊ

सी-डॉट ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 5-8 अक्टूबर 2018 को आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2018 के चौथे संस्करण में विशाल विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग एक्सपो में भाग लिया। सी-डॉट ने जीपॉन, वाईफाई प्रौद्योगिकियों और ज्ञानसेतु सहित अपनी विभिन्न प्रौद्योगिकियों और उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में विदेशों से और देश के युवा वैज्ञानिकों/शोधकर्ताओं/विद्वानों की भागीदारी देखी गई।

9. इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2018

सी-डॉट ने एरोसिटी, नई दिल्ली में 25-27 अक्टूबर के दौरान आयोजित इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2018 में भाग लिया। इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी के दौरान सी-डॉट ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया और दर्शकों की बड़ी संख्या के समक्ष हमारी स्वदेशी क्षमताओं का प्रदर्शन किया।





10. आईटीई डॉट बिज 2018

बेंगलुरु में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के समर्थन के लिए विभिन्न पहलों के एक हिस्से के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, कर्णाटक सरकार ने आईटीई डॉट बिज 2018 का आयोजन किया, जिसका केन्द्रीय विषय 'इनोवेशन एंड इम्पैक्ट' था।



कार्यक्रम का आयोजन सूचना प्रौद्योगिकी तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, कर्णाटक सरकार और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) बेंगलुरु ने संयुक्त रूप से किया। यह 29 नवंबर से 1 दिसंबर, 2018 तक पैलेस ग्राउंड्स, बेंगलुरु में आयोजित किया गया। सी-डॉट ने इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी के दौरान अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया और बड़ी संख्या में दर्शकों ने उसकी स्वदेशी क्षमताओं को देखा।



11. आईआईसीई 2018

इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (आईआईसीई) विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी के उन्नयन के लिए समर्पित भारत का अग्रणी मान्यता प्राप्त व्यावसायिक निकाय है, जिसकी स्थापना 1953 में की गयी थी।

आईआईसीई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस इंडिया (आईआईसीई) का इन्टरनेट ऑफ थिंग्स में डेटा एनालिटिक्स, बिग डेटा और 5G में प्रौद्योगिक उन्नयन और अनुप्रयोग विषय पर केन्द्रित पहला संस्करण 14-15 दिसंबर, 2018 को बेंगलुरु में आयोजित किया गया था, जहां सी-डॉट ने अपनी स्वदेशी तकनीकों और समाधान प्रदर्शित किये।



12. भारतीय विज्ञान कांग्रेस 2019

सी-डॉट ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, जालंधर, पंजाब में 3-7 जनवरी 2019 के दौरान 106 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस 2019



में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। सी-डॉट ने ऑप्टिकल, वायरलेस, एम2एम और आईओटी समाधानों सहित विभिन्न प्रौद्योगिकियों और उत्पादों का प्रदर्शन किया।



13. एम2एम + आईओटी फोरम

एम 2 एम + आईओटी फोरम का छठा संस्करण इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 14-15 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया। भारत



के नीति निर्माता, नियामक और प्रमुख उद्योगपति मशीन-टू-मशीन (एम 2 एम) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के क्षेत्र में भविष्य के विज्ञान का खाका तैयार करने वाले इस कार्यक्रम में मौजूद थे। सी-डॉट ने एम 2 एम में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया और श्री विपिन त्यागी, ईडीआर, सी-डॉट ने आयोजन के दौरान विशेष भाषण भी दिया।



14. कनवर्जेस इंडिया 2019

सी-डॉट ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 29-31 जनवरी, 2019 को आयोजित कनवर्जेस इंडिया 2019 में भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान सी-डॉट की विविध प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया और आगंतुकों ने उत्पादों के लाइव प्रदर्शन की सराहना की।



15. इंडिया टेलीकॉम 2019

विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक प्रदर्शनी-इंडिया टेलीकॉम 2019 का आयोजन टीईपीसी (ट्रेड एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन सेंटर) की ओर से शांग्री-ला-इरोज होटल नई दिल्ली में 11 और 12 फरवरी 2019 को वाणिज्य विभाग, भारत सरकार की मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव स्कीम (एमएआई) के तहत किया गया।





इस अवसर पर 30 से ज्यादा देशों के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) उद्योग से संबंधित 100 से ज्यादा विदेशी विशिष्ट प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें अफगानिस्तान, भूटान, बुरुंडी, कम्बोडिया, इंडोनेशिया और नाइजीरिया के मंत्री स्तरीय/आधिकारिक शिष्टमंडल शामिल थे। इस अवसर पर सी-डॉट ने अपने वायरलेस, जीपॉन, एनएमएस, जियो इंटेलिजेंस और राउटर जैसे अपने उत्पादों और समाधानों को प्रदर्शित किया। कंबोडिया, अफगानिस्तान, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, बुरुंडी, सूडान सहित अनेक देशों के अधिकारियों ने सी-डॉट प्रौद्योगिकियों में बहुत रुचि दिखाई और कार्यक्रम के बाद फॉलो-अप बैठकें कीं। टीईपीसी का यह प्रमुख कार्यक्रम हर साल आयोजित किया जाता है और यह एक अनूठा मंच है जहां दुनिया भर के संभावित खरीदारों को भारतीय सरकार के प्रमुख हितधारकों के साथ-साथ दूरसंचार उपकरणों और सेवाओं के भारतीय आपूर्तिकर्ताओं से मिलने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

16. नैतिकता और स्वायत्त एआई प्रणालियों के शासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रथम 'नैतिकता और स्वायत्त एआई प्रणालियों के शासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी' का आयोजन इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली 18 और 19 फरवरी 2019 को किया गया। इसके इंटरैक्टिव विषयगत सत्रों में आईआईटी, आईआईएससी, आईआईआईटी,

सी-डॉट के शिक्षाविदों/शोधकर्ताओं, प्रौद्योगिकी कंपनियों के विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। सी-डॉट के कार्यकारी निदेशक श्री विपिन त्यागी ने भी उद्घाटन सत्र में अपने विचार प्रकट किए। सी-डॉट ने अपने एआई सॉल्यूशंस जैसे फेस रिकॉग्निशन, ऑब्जेक्ट डिटेक्शन और इसी तरह के अन्य समाधानों का प्रदर्शन किया।



17. मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2019

जीएसएमए मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2018 का आयोजन स्पेन के बार्सिलोना में 25-28 फरवरी 2019 को किया गया। टीईपीसी ने मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2019 में भाग लेने के लिए सी-डॉट को आमंत्रित किया।

18. सी-डॉट ने कंबोडिया के दूरसंचार मंत्रालय का दौरा किया

दूरसंचार विभाग (डीओटी) के वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें सी-डॉट के कार्यकारी निदेशक - और सी-डॉट के विपणन प्रमुख शामिल थे, ने 18 मार्च 2019 को कंबोडिया का दौरा किया। इस दौरान डाक और दूरसंचार मंत्रालय, कंबोडिया और सी-डॉट के बीच एक समझौता ज्ञापन और एक गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिनका उद्देश्य कंबोडिया में 'स्मार्ट विलेज' का निर्माण करने सहित आईसीटी और दूरसंचार क्षेत्र को बढ़ावा देना था। ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत दूरसंचार प्रौद्योगिकी और वायरलेस समाधानों की तैनाती के संबंध में सी-डॉट और टेलीकॉम, कंबोडिया के बीच एक अलग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।



सी-डॉट में मानव संसाधन पहल

महिला सशक्तिकरण

सी-डॉट का प्रबंधन जेंडर मुद्दों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहा है तथा उसने महिलाओं और पुरुषों में समानता प्रदर्शित करने वाली संगठनात्मक संस्कृति बनाने की दिशा में निरंतर काम किया है। फिलहाल सी-डॉट में लगभग 32.3 प्रतिशत कर्मचारी महिलाएं हैं।

मौजूदा नीतियां :

- ◆ सभी पात्र महिला कर्मचारियों को 180 दिन के मातृत्व अवकाश और उसके बाद 90 दिन तक का अवकाश (180 दिन के मातृत्व अवकाश सहित 270 दिन) लेने की अनुमति है। गर्भपात के लिए, समूची सेवा अवधि में कुल 45 दिन के अवकाश की स्वीकृति है।
- ◆ सी-डॉट ने बच्चों की देखभाल के लिए अवकाश के बारे में नीति शुरू की है। इस अवकाश की अनुमति उसके लिए आवेदन करने पर पात्र महिला कर्मचारी को दी गई है।
- ◆ सी-डॉट अपनी सभी महिला कर्मचारियों को विभिन्न विकल्पों के साथ ठहरने की जगह और परिवहन लाभ उपलब्ध कराता है जो व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार हासिल किए जा सकते हैं। इससे कंपनी में कार्यरत सभी महिला कर्मचारियों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित की जाती है।
- ◆ 100 प्रतिशत महिला कर्मचारियों को रिहायशी टेलीफोन के बिल का पुर्नभुगतान किया जाता है।
- ◆ सी-डॉट में महिला कर्मचारियों को करियर वृद्धि के अवसर उपलब्ध हैं। पिछले वित्त वर्ष में हायर ग्रेड में पदोन्नत किए गए कुल कर्मचारियों में से 27 प्रतिशत महिलाएं थीं।
- ◆ प्रबंधन काडर (टीम लीडर्स, ग्रुप लीडर्स, तकनीकी विशेषज्ञ और वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ) में करीब 26 प्रतिशत महिलाएं हैं।
- ◆ उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार, कार्य स्थल पर महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न संबंधी मुद्दों के समाधान के क्रम में, मामले को निष्पक्ष एवं न्यायपूर्ण ढंग से गौर करने तथा उसके लिए उपयुक्त कार्रवाई करने की सिफारिश के लिए सी-डॉट बोर्ड ने समिति गठित की है।

कर्मचारियों का कल्याण :

अस्पताल में भर्ती होने के खर्च के कवरेज के उद्देश्य से, सी-डॉट ने नेशनल इन्श्युरेन्स कंपनी लि. से टेलर-मेड ग्रुप मेडि-क्लेम बीमा लिया है। इगजीक्यूटिव काडर में स्टाफ सदस्यों (और उनके परिवारों) सी-डॉट समूह मेडिक्लेम पॉलिसी के संबंध में ई-1 ग्रेड और नीचे के कर्मचारियों के लिए 3.5 लाख तथा ई-11 ग्रेड और ऊपर के कर्मचारियों के लिए 5 लाख रुपये और उससे अधिक (7.5 लाख और 10 लाख) की कवरेज है। ग्रुप मेडि-क्लेम पॉलिसी 01 अप्रैल, 2006 से प्रभावी है।

- ◆ सी-डॉट में कर्मचारियों की रोजमर्रा की शिकायतों को दूर करने के लिए सुगम और आसानी से उपलब्ध तंत्र प्रदान करने के लिए शिकायत प्रक्रिया शुरू की गई है।

अनुसूचित जाति / जनजाति और दिव्यांग जनों की भर्ती :

दिव्यांग जनों और अनुसूचित जाति / जनजाति श्रेणी के उम्मीदवारों की भर्ती के लिए, सी-डॉट में नौकरी में आरक्षण उपलब्ध कराने के लिए सी-डॉट सरकारी नियमों का पालन करता है।

सी-डॉट में इन श्रेणियों से संबंधित व्यक्तियों के कल्याण पर विचार करने और उनके सामने आने वाली किसी समस्याओं / शिकायतों के समाधान के लिए पद्धति है।

दिव्यांग जनों के लिए लाभ :

- ◆ सी-डॉट दिव्यांग जनों के लिए नौकरी में आरक्षण के संबंध में भारत सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करता है।
- ◆ दिव्यांग कर्मचारी परिवहन भत्ते की दोगुना दरों के पात्र हैं।
- ◆ दिल्ली में सी-डॉट परिसर इस ढंग से बनाया गया है कि दिव्यांग जनों के लिए बाधा मुक्त वातावरण उपलब्ध हो सके। मुख्य प्रवेश द्वार / निकास मार्ग स्टेप्ड एंट्री के साथ रैम्प के जरिए इस्तेमाल किया जा सकता है। कामकाज के विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ने वाले एलीवेटर्स भी दिव्यांग जनों के लिए एक प्रकोष्ठ से दूसरे प्रकोष्ठ तक मुक्त आवागमन के लिए संस्थापित किए गए हैं।

स्वच्छता कार्य योजना

स्वच्छ भारत की 'स्वच्छता ही सेवा' पहल के अंतर्गत सी-डॉट ने अपने परिसर तथा आसपास के वातावरण की साफ-सफाई को बढ़ावा देने और उसे बनाए रखने के लिए की जा रही अनेक गतिविधियों के साथ-साथ सामुदायिक साझेदारी पर भी ध्यान केंद्रित किया। दो विद्यालयों—राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, सुल्तानपुर और सरदार पटेल विद्या निकेतन, मांडी गांव, दिल्ली की मदद से निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया गया :

- ◆ ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों को स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ-सफाई पर प्रशिक्षण दिया गया
- ◆ सरदार पटेल विद्या निकेतन, मांडी रोड के छात्रों की भागीदारी से सी-डॉट ने जौनपुर के गांव में एक 'नुक्कड़ नाटक' का आयोजन किया।
- ◆ राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, सुल्तानपुर नई दिल्ली के छात्रों की भागीदारी के साथ, सी-डॉट ने सुल्तानपुर गांव में एक स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया।
- ◆ जूनियर हाई स्कूल के छात्रों के लिए 'स्वच्छता' के विषय पर कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।





सी-डॉट में हिंदी को प्रोत्साहन

सी-डॉट और राजभाषा : गतिविधियों की झलक

सी-डॉट भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के गंभीर प्रयास कर रहा है। कर्मचारियों में जागरूकता फैलाने के लिए, सी-डॉट वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। इस संबंध में सी-डॉट के दिल्ली और बंगलुरु केंद्रों में कई नवाचार कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। प्रासंगिक विषयों पर हिंदी कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।

नई दिल्ली और बंगलुरु के सी-डॉट कार्यालयों में सितंबर, 2018 को हिंदी उत्सव के रूप में मनाया गया। सी-डॉट कर्मियों को दैनिक कामकाज हिंदी में करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से इस महीने के दौरान अनेक प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हिंदी में ऑडियो-विजुअल क्विज भी आयोजित की गई, जिसे सभी ने पसंद किया। इस वर्ष अधिक भागीदारी को आकर्षित करने के लिए कुछ नई प्रतियोगिताओं की शुरुआत की गई। कथा रचना, एकल अभिनय, समाचार वाचन, हिंदी टीका, वर्ग पहेली एवं भाषा ज्ञान जैसी प्रतियोगिताएं लोगों को एक बार फिर साहित्य और किताबों की दुनिया से जुड़ने के लिए प्रेरित करने में बहुत सफल रहीं।

हिंदी उत्सव के दौरान भव्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। श्री लक्ष्मीशंकर वाजपेयी, डॉ. दिनेश रघुवंशी, डॉ. सरिता शर्मा और

विख्यात डॉ. राहत इंदौरी सरीखे जाने माने कवियों ने अपनी मार्मिक कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हमारा सौभाग्य है कि हिंदी उत्सव के उद्घाटन के अवसर पर राज्यसभा सदस्य और विख्यात नृत्यांगना पद्म विभूषण विदुषी डॉ. सोनल मानसिंह ने बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम इनसे मिलिए... में भाग लिया।

सी-डॉट में युवा इंजीनियरों को हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जागरूक करने के लिए महान शहीदों भगत सिंह और सुखदेव के बलिदान पर आधारित पीयूष मिश्रा द्वारा लिखित एक नाटक का मंचन किया गया।

प्रसिद्ध प्रौद्योगिकीविद् और भाषाविद् श्री बालेन्दु शर्मा दाधीच को "हिंदी और प्रौद्योगिकी" पर अपनी प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने समस्त नवीनतम हिंदी भाषा उपकरणों और सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी।

दिल्ली और बंगलुरु में सी-डॉट राजभाषा समिति की सभी बैठकें समय पर और नियमित रूप से आयोजित की गईं। सी-डॉट ने टीओएलआईसी गतिविधियों में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।



सतर्कता जागरूकता पहल



संगठन में सितंबर, 2017 में पूर्णकालिक मुख्य सतर्कता अधिकारी की तैनाती के साथ एक अलग सतर्कता एकक की स्थापना की गई है। वर्ष 2018-19 के दौरान सतर्कता, मुख्य रूप से निवारक सतर्कता सम्बन्धी हमारी गतिविधियाँ मुख्य सतर्कता अधिकारी के निर्देशानुसार चलाई गयीं। प्रचालन और रखरखाव अनुबंध और अनुशासनात्मक कार्यवाही से संबंधित प्रथाओं और प्रक्रियाओं की मुख्य रूप से समीक्षा की गई और सुधारात्मक उपाय किए गए। सी-डॉट के कर्मचारियों द्वारा अब वार्षिक संपत्ति रिटर्न नियमित रूप से दायर किए जाते हैं। इसके अलावा, सी-डॉट में सीपीपी पोर्टल पर सभी निविदाओं के ई-प्रकाशन के लिए कार्रवाई शुरू की गई है और कुछ खरीद भी जीईएम (सरकारी ई-मार्केटप्लेस) के माध्यम से की जाती हैं।

सतर्कता इकाई द्वारा कुछ अनुबंधों की सीटीई प्रकार की जांच की गई और प्रणालीगत सुधार का सुझाव दिया गया। इसके अलावा, लक्षित समूहों के बीच कार्यालय प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता उत्पन्न की गयी। शिकायतों के संबंध में, सभी प्राप्त शिकायतों को मुख्य सतर्कता अधिकारी की शिकायत निपटान नीति के अनुसार, समय पर निपटाया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2018 को 30 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2018 तक सी-डॉट (दिल्ली और बेंगलुरु परिसर दोनों) में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें आउटरीच गतिविधियाँ भी की गईं। मुख्य भाषण डॉ. देवेश चतुर्वेदी, अपर सचिव, कृषि विभाग द्वारा दिया गया। अधिकांश कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठ की ई-प्रतिज्ञा ली।





स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,
बोर्ड सदस्य, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट)

अभिमत

हमने सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) के वित्तीय वक्तव्यों का लेखा परीक्षण किया है जिसमें 31 मार्च, 2019 का तुलनपत्र और सम्पन्न वर्ष का आय और व्यय खाता, और लेखा नीतियों के सारांश सहित वित्तीय विवरण पर टिप्पणी शामिल है।

हमारा अभिमत है कि ये वित्तीय विवरण सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 तथा इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुरूप 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार संगठन की वित्तीय स्थिति के बारे में सत्य एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण उपलब्ध कराते हैं।

अभिमत का आधार

हमने अपना लेखा परीक्षण इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ओर से जारी लेखा परीक्षण मानकों के अनुरूप किया है। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण अनुभाग की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियों में आगे वर्णित किया गया है। हम नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार संगठन से स्वतंत्र हैं जो हमारे वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के लिए प्रासंगिक हैं और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारे अभिमत के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के प्रभारी का दायित्व

प्रबंधन पूर्वोक्त लेखा मानकों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी और निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए जिम्मेदार है, और वित्तीय विवरणों की तैयारी को सक्षम बनाने में प्रबंधन द्वारा यथा-निर्धारित इस तरह का आंतरिक नियंत्रण सामग्री के बारे में गलत बयानी, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, से मुक्त करने के लिए और भारतीय सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार आवश्यक है।

वित्तीय विवरणों की तैयारी में, प्रबंधन एक सुनाम-प्रतिष्ठा न बने रहने में संगठन की क्षमता का आकलन करने, सुनाम-प्रतिष्ठान के लिए यथा लागू लेखांकन के आधार पर खुलासा करना, लागू करना, संबंधित मामले और का उपयोग करना, जब तक प्रबंधन या तो इकाई को समाप्त करने या संचालन बंद करने का इरादा रखे अथवा ऐसा करने के आलावा अन्य कोई व्यवहारिक विकल्प नहीं हो।

शासन के प्रभारी पर संगठन की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी का उत्तरदायित्व है।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या संपूर्ण रूप से वित्तीय विवरण चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, सामग्री की गलत बयानी से मुक्त हैं और लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी करना, जिसमें हमारा अभिमत भी शामिल है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार किया गया ऑडिट किसी सामग्री के गलत बयानी के मौजूद होने पर हमेशा पता लगाता है। यह गलत बयानी धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती है और यथार्थ तभी मानी जाती है यदि, व्यक्तिगत रूप से या कुल में, वे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने के लिए यथोचित संभवना हो।

कृते शिव एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन: 009989 एन

हस्ता./—
(सीए शिव प्रकाश चतुर्वेदी)
साझेदार
सदस्यता सं. 085084
यूडीआईएन: 19085084एएएएएफ2137

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक : 19.08.2019

31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र

विवरण	अनुसूची सं.	2019	2018
समग्र / पूंजीगत निधि और देयताएं			
समग्र / पूंजीगत निधि	1	3,33,83,30,102.21	4,05,49,01,722.88
चालू देयताएं और प्रावधान	2	2,23,04,99,666.94	1,39,88,38,154.39
योग		5,56,88,29,769.15	5,45,37,39,877.27
परिसंपत्तियां			
स्थाई परिसंपत्तियां	3		
सकल मान		6,71,41,97,598.41	6,22,35,94,676.10
घटाएं: मूल्यह्रास		5,49,01,25,619.74	5,18,20,80,285.28
निवल मान		1,22,40,71,978.67	1,04,15,14,390.82
मार्गस्थ परिसम्पत्ति	3	—	16,11,200.90
पूंजीगत कार्य प्रगति में	4	62,52,840.00	62,52,840.00
निवेश — दीर्घकालीन	5	—	—
चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम और जमा	6	4,33,85,04,950.48	4,40,43,61,445.55
योग		5,56,88,29,769.15	5,45,37,39,877.27
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	14		
लेखांकन के संबंध में टिप्पण एवं आनुषंगिक देयताएं	15		

अनुसूचियां 1 से 15 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं।

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते मेसर्स शिव एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 009989एन

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स के बोर्ड
के निमित्त और उसकी ओर से

हस्ताक्षरित
(शिव प्रकाश चर्तुवेदी)
भागीदार

सदस्यता संख्या 085084
यूडीआईएन: 19085084एएएएएएफ2137

हस्ताक्षरित
(जी. मुकुंदन)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ताक्षरित
(विपिन त्यागी)
कार्यकारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 19.08.2019

आय और व्यय लेखे 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए

(रुपये में)

विवरण	अनुसूची सं.	2019	2018
आय			
टीओटी, रॉयल्टी, टीएसआर/एफएसआर तथा प्रकाशन	7	62,34,20,166.00	1,08,65,29,588.50
अर्जित ब्याज	8	7,94,47,467.00	5,20,17,569.23
अन्य आय	9	5,28,34,872.50	8,24,15,215.95
योग (क)		75,57,02,505.50	1,22,09,62,373.68
व्यय			
स्थापना व्यय	10	2,41,35,14,325.12	2,09,94,14,048.61
प्रचालन व्यय	11	1,00,09,26,254.48	63,91,52,228.91
अन्य प्रशासनिक व्यय	12	34,84,02,032.49	34,04,56,696.37
मूल्यहास	3	30,80,46,554.46	24,25,57,877.72
योग (ख)		4,07,08,89,166.55	3,32,15,80,851.61
इस वर्ष की आय से अधिक व्यय [(ख-क)]		3,31,51,86,661.05	2,10,06,18,477.93
जोड़ें / घटाइए :			
पिछले वर्षों से संबंधित समायोजन राशि	13	13,84,959.62	(89,63,635.31)
विशिष्ट व्यय	—	—	—
आय से अधिक व्यय होने की अधिक राशि का शेष		3,31,65,71,620.67	2,09,16,54,842.62
जोड़ें: पिछले वर्षों की आय से अधिक व्यय		27,17,00,51,439.24	25,07,83,96,596.62
समग्र निधि / पूंजीगत निधि से अग्रणीत घाटा का शेष		30,48,66,23,059.91	27,17,00,51,439.24
महत्वपूर्ण लेखांकन नीति	14		
लेखांकन के संबंध में टिप्पण तथा आनुषंगिक देयताएं	15		

अनुसूचियां 1 से 15 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं।

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते मैसर्स शिव एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 009989एन

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स के बोर्ड
के निमित्त और उसकी ओर से

हस्ताक्षरित
(शिव प्रकाश चतुर्वेदी)
भागीदार

सदस्यता संख्या 085084

यूडीआईएन: 19085084एएएएएएफ2137

हस्ताक्षरित
(जी. मुकुंदन)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ताक्षरित
(विपिन त्यागी)
कार्यकारी निदेशक

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 19.08.2019

अनुसूची 1- समग्र / पूंजीगत निधि

(31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	2019	2018
इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से अनुदान (पूर्व में इलेक्ट्रॉनिकी विभाग) संचित शेष राशि	33,52,00,000.00	33,52,00,000.00
उप-योग (क)	33,52,00,000.00	33,52,00,000.00
दूरसंचार विभाग से अनुदान वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि	30,88,97,53,162.12	28,01,97,53,162.12
जोड़ें: वर्ष के दौरान समग्र / पूंजीगत निधि के प्रति अंशदान	2,60,00,00,000.00	2,87,00,00,000.00
उप-योग (ख)	33,48,97,53,162.12	30,88,97,53,162.12
योग [(क + ख)]	33,82,49,53,162.12	31,22,49,53,162.12
घटाएं: आय और व्यय लेखा के अंतरित निवल व्यय की शेष राशि	30,48,66,23,059.91	27,17,00,51,439.24
कुल योग	3,33,83,30,102.21	4,05,49,01,722.88

अनुसूची 2- चालू देयताएं एवं प्रावधान

(31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	2019	2018
क. चालू देयताएं		
1 विविध लेनदार		
क) सामान के लिए	31,77,17,113.54	18,01,11,135.56
ख) अन्य	10,23,54,001.84	8,17,87,958.45
2 विविध लेनदार		
– सामान के लिए	64,24,86,016.50	31,92,35,495.60
3 सांविधिक देयताएं	6,79,65,149.00	15,76,35,570.00
4 अन्य चालू देयताएं	43,88,37,621.06	16,67,37,551.78
उप-योग (क)	1,56,93,59,901.94	90,55,07,711.39
ख प्रावधान		
1 ग्रेच्युटी	6,25,90,856.00	97,75,001.00
2 अर्जित अवकाश	59,85,48,909.00	48,35,55,442.00
उप-योग (ख)	66,11,39,765.00	49,33,30,443.00
योग (क+ख)	2,23,04,99,666.94	1,39,88,38,154.39

अनुसूची 3- स्थाई परिसम्पत्तियां

(31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	सकल ब्लॉक		मूल्यहास		निवल ब्लॉक			
	01.04.2018 को	वृद्धियां	31.03.2019 को	01.04.2018 को	वर्ष के दौरान समायोजन बट्टे खाते में	31.03.2019 को	31.03.2019 को	31.03.2018 को
(क) स्थायी परिसंपत्तियां								
भूमि - फ्रीहोल्ड	12,00,00,000.00	-	12,00,00,000.00	-	-	-	12,00,00,000.00	12,00,00,000.00
भवन-कार्यालय	57,01,80,967.65	-	57,01,80,967.65	42,44,00,188.52	1,45,78,077.91	-	13,12,02,701.22	14,57,80,779.13
भवन-आवासीय	2,36,27,434.00	-	2,36,27,434.00	1,58,99,182.56	3,86,412.57	-	73,41,838.87	77,28,251.44
अनुसंधान तथा विकास मशीनरी	2,07,96,78,519.58	14,91,53,548.72	2,22,88,32,088.30	1,67,24,62,571.03	8,34,55,422.49	-	47,29,14,074.78	40,72,15,948.55
अनुसंधान तथा विकास कम्प्यूटर	2,65,16,97,506.70	25,73,72,118.59	2,90,90,69,625.29	2,45,73,18,581.48	1,807,40,501.71	-	27,10,10,542.10	19,43,78,925.22
कार्यालय उपस्कार एवं सामान	38,67,47,401.56	38,68,658.00	39,06,16,059.56	31,90,70,734.95	1,07,69,326.39	-	6,07,75,998.22	6,76,76,666.61
फर्नीचर और फिटिंग्स	33,25,44,901.23	7,99,62,552.00	41,25,07,453.23	23,38,11,081.36	1,78,69,548.39	-	16,08,26,823.49	9,87,33,819.87
पुरस्तकालय की पुस्तकें	5,91,17,945.38	2,47,265.00	5,93,63,990.38	5,91,17,945.38	2,47,265.00	(1,220.00)	-	-
योग	6,22,35,94,676.10	49,06,04,142.31	6,71,41,97,598.41	5,18,20,80,285.28	30,80,46,554.46	(1,220.00)	1,22,40,71,978.67	1,04,15,14,390.82
पिछले वर्ष का योग	5,90,39,47,190.71	31,96,48,094.39	6,22,35,94,676.10	4,93,95,23,016.56	24,25,57,877.72	(609.00)	1,04,15,14,390.82	96,44,24,174.15
(ख) मार्गस्थ परिसंपत्तियां								16,11,200.90

अनुसूची 4- पूंजीगत कार्य प्रगति पर

(31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	01.04.2018 को	वृद्धियां	स्थाई परिसम्पत्तियों के खाते में अंतरण	31.03.2019 को
परिसर – दिल्ली				
परिसर – आवासीय भवन	62,52,840.00	—	—	62,52,840.00
योग	62,52,840.00	—	—	62,52,840.00
पिछले वर्ष का शेष	62,52,840.00	—	—	62,52,840.00

अनुसूची 5- निवेश – दीर्घकालीन

(31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी की संख्या	प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य (₹)	2019	2018
अनुदधृत				
संयुक्त उद्यम कम्पनी				
सी-डॉट अलकाटेल लूसेंट रिसर्च सेंटर प्रा. लि. (सीएआरसी)	5,20,00,000	10	52,00,00,000.00	52,00,00,000.00
घटाएं: अशोध्य व संदिग्ध निवेश का प्रावधान			52,00,00,000.00	52,00,00,000.00
योग			—	—

अनुसूची 6- चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम और जमा राशि

(31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	2019	2018
क. चालू परिसम्पत्तियां		
1 सामान सूची (प्रबंधन मंडल द्वारा अधीनीकृत और प्रमाणित)		
क) सामान सूची	65,36,63,579.85	63,14,45,010.23
ख) मार्गस्थ सामान सूची	25,86,276.49	95,90,755.90
	65,62,49,856.34	64,10,35,766.13
2 विविध देनदार		
क) छः माह से ज्यादा की देनदारी	1,45,90,69,161.16	61,39,52,660.20
ख) अन्य	53,74,65,556.80	1,08,75,99,474.00
	1,99,65,34,717.96	1,70,15,52,134.20
घटाएं: अशोध्य और संदिग्ध विविध ऋण के लिए प्रावधान	1,89,37,915.00	1,89,37,915.00
	1,97,75,96,802.96	1,68,26,14,219.20
3 बैंक में जमा राशि		
क) अनुसूचित बैंकों में		
चालू खातों में	52,07,311.29	61,13,729.29
जमा खातों में	53,86,31,798.22	1,18,80,00,000.00
बचत खातों में	54,86,06,504.18	29,59,00,920.26
	1,09,24,45,613.69	1,49,00,14,649.55
योग (क)	3,72,62,92,272.99	3,81,36,64,634.88
ख. ऋण और अग्रिम		
1 ऋण		
क) स्टाफ	55,35,108.00	56,15,122.00
ख) सीएआरसी प्रा. लि.	18,45,78,500.00	18,45,78,500.00
	19,01,13,608.00	19,01,93,622.00
घटाएं – अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण का प्रावधान—सीआरएसी प्रा.लि.	18,45,78,500.00	18,45,78,500.00
	55,35,108.00	56,15,122.00
2 अग्रिम और अन्य राशियां, जिनकी वसूली नकद या वस्तु के रूप में की जानी है		
क) ठेकेदार और आपूर्तिकर्ता	12,41,58,066.90	17,27,44,864.08
ख) कर्मचारी	19,57,149.15	34,27,405.73
पूर्वदत्त खर्च	1,28,52,960.08	1,45,54,179.43
	13,89,68,176.13	19,07,26,449.24
3 उपार्जित ब्याज		
क) कर्मचारी ऋण	4,69,394.48	8,76,643.46
ख) बैंक जमा राशि पर	86,64,687.78	84,05,363.22
ग) सीएआरसी ऋण	5,98,58,060.00	5,98,58,060.00
	6,89,92,142.26	6,91,40,066.68
4 वसूली योग्य दावे		
घटाएं: वसूली योग्य, अशोध्य तथा संदिग्ध दावों के लिए प्रावधान	31,98,88,856.31	26,35,02,545.31
	19,78,41,104.35	19,78,41,104.35
	12,20,47,751.96	6,56,61,440.96
5 स्रोत पर कर कटौती	22,29,19,785.86	24,19,54,271.06
6 इनपुट टैक्स क्रेडिट	4,43,39,450.28	81,55,707.73
योग (ख)	60,28,02,414.49	58,12,53,057.67
ग. जमा राशि		
1 कार्यालय भवन	40,500.00	1,20,500.00
2 अन्य	93,69,763.00	93,23,253.00
योग (ग)	94,10,263.00	94,43,753.00
योग (क + ख + ग)	4,33,85,04,950.48	4,40,43,61,445.55

अनुसूची 7- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, रॉयल्टी, टीएसआर/एफएसआर तथा प्रकाशन से आय

(31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रूप में)

(रुपये में)

विवरण	2019	2018
1) राजस्व से आय	6,94,31,080.00	14,43,14,355.00
2) प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से आय	1,33,50,000.00	2,46,00,000.00
3) प्रौद्योगिकी/फील्ड समर्थन से आय (टीएसआर/एफएसआर)	54,05,64,730.00	91,74,79,413.00
4) प्रकाशनों से आय	74,356.00	1,35,820.50
योग	62,34,20,166.00	1,08,65,29,588.50

अनुसूची 8- अर्जित ब्याज

(31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रूप में)

(रुपये में)

विवरण	2019	2018
1) अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा राशि पर	4,11,95,636.22	4,41,09,312.73
2) अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	58,46,698.76	59,26,374.30
3) कर्मचारियों को दिए गए ऋण पर	5,69,251.02	6,77,344.20
4) अन्य को दिए ऋण पर	—	11,10,504.00
5) अन्य	3,18,35,881.00	1,94,034.00
योग	7,94,47,467.00	5,20,17,569.23

अनुसूची 9- अन्य आय

(31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रूप में)

(रुपये में)

विवरण	2019	2018
1) किराए से आय	3,20,76,346.00	4,13,75,264.00
2) विदेशी मुद्रा के लेन-देन के कारण लाभ	11,53,688.28	18,48,748.53
3) अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण की वसूली	—	1,69,95,329.00
4) विविध आय	1,96,03,618.22	2,21,95,265.42
5) परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	1,220.00	609.00
योग	5,28,34,872.50	8,24,15,215.95

अनुसूची 10- स्थापना व्यय

(31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रूप में)

(रुपये में)

विवरण	2019	2018
क) वेतन और मजदूरी	1,79,54,61,043.88	1,55,29,58,902.00
ख) बोनस	12,86,044.00	13,86,205.00
ग) भविष्य निधि में अंशदान	15,34,97,522.00	15,99,43,069.00
घ) अन्य निधि में अंशदान	1,31,05,558.00	1,44,02,576.00
कृ) कर्मचारियों को प्रदत्त ग्रेच्युटी	6,25,70,906.00	6,97,75,001.00
च) कर्मचारीवृन्द कल्याण व्यय	37,06,78,782.79	28,70,61,768.00
छ) आवासीय किराया और अनुरक्षण व्यय	5,79,714.00	24,45,136.00
ज) भर्ती एवं प्रशिक्षण व्यय	1,63,34,754.45	1,14,41,391.61
योग	2,41,35,14,325.12	2,09,94,14,048.61

अनुसूची 11- प्रचालन व्यय

(31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रूप में)

(रुपये में)

विवरण	2019	2018
क) अनुसंधान एवं विकास संघटक और उपभोज्य	37,46,04,623.71	32,95,76,681.46
ख) भाड़ा और अग्रेषण प्रभार	1,76,18,723.77	2,04,30,532.24
ग) अनुसंधान एवं विकास और कार्यालय उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण	8,14,49,909.13	7,20,13,910.21
घ) अभिकल्प, विकास एवं प्रौद्योगिकी समर्थन व्यय	46,18,64,253.00	14,94,67,058.00
ड.) परामर्श, प्रशिक्षु प्रशिक्षण और तकनीकी सेवाओं के लिए खर्च	6,31,43,517.87	6,49,09,566.00
च) परीक्षण व्यय	22,45,227.00	27,54,481.00
योग	1,00,09,26,254.48	63,91,52,228.91

अनुसूची 12- अन्य प्रशासनिक आय

(31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रूप में)

(रुपये में)

विवरण	2019		2018	
क) यात्रा और वाहन व्यय		6,31,91,281.66		5,61,17,514.32
ख) वाहन किराया प्रभार		41,03,951.50		35,66,986.50
ग) किराया, दरें और कर		28,78,633.00		52,21,661.00
घ) ब्याज / जुर्माना भुगतान		40,314.00		1,40,877.00
ड.) विद्युत एवं जल व्यय		9,87,56,664.76		10,00,00,524.00
च) मरम्मत और अनुरक्षण – अन्य		10,15,07,523.64		10,12,18,724.00
छ) समाचार पत्र, पत्रिकाएं और जर्नल		75,87,106.63		64,27,652.28
ज) बीमा प्रभार		10,40,628.76		9,88,540.00
झ) मुद्रण, लेखन सामग्री, फोटोकॉपी, प्रशासन संबंधी उपभोज्य		81,43,853.58		1,16,23,309.34
ञ) डाक टिकट, टेलीफोन और सम्प्रेषण		90,64,919.45		1,32,83,662.58
ट) प्रदर्शनी, विज्ञापन और प्रचार व्यय		1,88,28,089.50		2,20,38,368.00
ठ) सम्मेलन/संगोष्ठी /सदस्यता शुल्क और मानदेय		79,04,677.36		72,17,247.50
ड) विधिक, व्यावसायिक/सदस्यता शुल्क और मानदेय		65,63,026.00		45,35,132.00
ढ) पेटेंट शुल्क		90,71,030.00		47,60,428.00
ण) लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिक				
अंकेक्षण शुल्क	3,00,000.00		3,00,000.00	
तुरंत देय व्यय	1,08,092.00	4,08,092.00	1,08,490.00	4,08,490.00
त) आतिथ्य/मनोरंजन व्यय	83,600.00		57,075.00	
थ) बैंक प्रभार	17,75,686.97		19,03,846.80	
द) विदेशी मुद्रा के लेन-देन के कारण घाटा	74,45,568.36		9,26,958.05	
ध) विविध आय		7,385.32		19,700.00
योग		34,84,02,032.49		34,04,56,696.37

अनुसूची 13- पूर्व वर्षों से संबंधित समायोजन (निवल)

(31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रूप में)

(रुपये में)

विवरण	2019		2018	
	नामे	जमा	नामे	जमा
आय				
टीओटी, रॉयल्टी, टीएसआर / एफएसआर तथा प्रकाशन	3,67,502.40	—	—	—
अर्जित ब्याज	—	—	4,20,226.00	—
अन्य आय	—	—	—	—
व्यय				
स्थापना व्यय	6,634.00	—	6,13,422.00	—
प्रचालन व्यय	—	14,35,902.78	—	1,01,47,777.64
अन्य प्रशासनिक व्यय	24,46,726.00	—	1,50,494.33	—
मूल्यहास	—	—	—	—
योग	28,20,862.40	14,35,902.78	11,84,142.33	1,01,47,777.64
निवल जमा	13,84,959.62			89,63,635.31

अनुसूची 14 - महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

(31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा के भाग के रूप में)

1. लेखा पद्धति

क) वित्तीय विवरण, लेखाओं के प्रोद्भवन के आधार पर पुरानी लागत पद्धति के अधीन भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों और मानकों तथा संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

2. प्राक्कलनों का इस्तेमाल

क) वित्तीय विवरण तैयार करने हेतु आवश्यक है कि ऐसे प्राक्कलन और अनुमान व्यक्त किए जाएं, जो वित्तीय विवरण की तारीख तक प्रतिवेदित परिसम्पत्तियों और दायित्वों की राशि तथा उसी अवधि में अर्जित आय और खर्चों को प्रभावित करें। वास्तविक परिणामों और प्राक्कलनों में अंतरों की पहचान उसी अवधि में की गई है, जिसमें वे ज्ञात/प्रकट हुए हैं।

3. अचल परिसंपत्तियां

क) अचल परिसंपत्तियां की लागत संचित मूल्यहास और मूल्य में किसी भी तरह की हानि को घटाकर निर्दिष्ट की जाती हैं। अचल परिसम्पत्तियों की लागत में खरीद मूल्य और उस परिसम्पत्ति को वांछित उपयोग में लाने के लिए किसी भी प्रकार की आरोप्य लागत शामिल होती है।

ख) परिसम्पत्तियां, जिनमें से प्रत्येक की लागत 5000 रुपए अथवा कम है, उन सभी का पूंजीकरण तथा मूल्यहास उनकी प्राप्ति वाले वर्ष में ही एक रुपया कम करके 100 प्रतिशत मूल्य पर किया गया है।

ग) पुस्तकालय की पुस्तकों को उनके मूल्य पर विचार न करते हुए पूंजी में परिणत किया गया है।

घ) अचल परिसम्पत्तियाँ से सम्बद्ध किसी मद पर बाद में होने वाले खर्च को उसकी बुक वेल्यू के साथ तभी जोड़ा जाता है, जब वह वर्तमान में परिसम्पत्ति से प्राप्त होने वाले लाभ में पहले से आकलित प्रदर्शन के मानकों से बढ़ जाए।

ङ) प्रबंधन वर्ष के अंत में अचल परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन और वित्तीय रिकार्ड के साथ उनका मिलान कराता है। यह कार्य सी-डॉट में इस कार्य की प्रकृति/आकार को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

4. मूल्यहास

(क) आयकर नियमावली 1962 (नियम) के परिशिष्ट-I के

प्रावधान, जो समय-समय पर संशोधित किये जाते रहे हैं, वे निम्नलिखित अपवादों के साथ प्रयुक्त किए गए हैं:

(1) वर्ष के दौरान प्रयुक्त अचल परिसंपत्तियों का मूल्यहास नियमों के प्रावधान के अनुसार संपूर्ण वर्ष के लिए पूरी दरों पर किया जाता है।

(2) वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकालय की पुस्तकों का उसी वर्ष पूरी तरह मूल्यहास होता है।

(3) वर्ष के दौरान बेची, बेकार अथवा गुम हुई या निपटान की गई परिसंपत्तियों के मामले में कोई मूल्यहास नहीं किया जाता।

5. माल-सूची का मूल्यांकन

(क) स्टोर और पुर्जे (मशीनरी के पुर्जा सहित) का मूल्यांकन 'लागत' पर किया गया है। लागत की गणना अधिभारित औसत पद्धति से की गई है। इनकी लागत में सामान्य कारोबार के दौरान ऐसे संघटकों को उनकी जगह लाने पर होने वाला खर्च शामिल है और जहां लागू हों, इसमें अतिरिक्त खर्च भी शामिल हैं।

(ख) माल-सूची के वास्तविक मूल्यांकन के समय अप्रचलित, धीमे और दोषपूर्ण सामान की पहचान की गई जाती है और जहां जरूरत हो ऐसे सामान के प्रावधान किए गए हैं।

6. निवेश

(क) वर्तमान निवेश को कम लागत और उचित बाजार मूल्य पर आंका गया है।

(ख) संयुक्त उद्यमों में लगाई जाने वाली पूंजी सहित दीर्घकालिक निवेश लागत पर किया गया है। जरूरत पड़ने पर दीर्घकालिक निवेशों के मूल्यांकन में अस्थायी के अलावा, गिरावट की पहचान करने के लिए प्रावधान किए गए हैं।

7. सहायतार्थ प्राप्त अनुदान का लेखा

(क) सरकार से प्राप्त अनुदान राशि को "कॉरपस/पूंजीगत कोष" के रूप में दिखाया गया है।

(ख) प्रशासनिक मंत्रालय की ओर से जारी मंजूरी ज्ञापन की तिथि के आधार पर इनका लेखांकन किया जाता है।

8. राजस्व मान्यता

(क) सेंटर द्वारा दूरसंचार प्रचालकों और अन्य एजेंसियों के लिए संचालित परियोजनाओं के संबंध में, इन सभी से संबद्ध खर्च और आय का लेखांकन क्रमशः खर्च/आय के आधार पर सिर्फ तभी किया जाता है, जब परियोजना से संबंधित लक्ष्य हासिल कर लिया जायें। जहां वे लक्ष्य/स्वीकृतियां प्राप्त नहीं हुई हैं, परियोजना के खाते में उपलब्ध बाकी रकम को तुलनपत्र में अग्रिम/प्राप्य के रूप में दर्शाया गया है।

(ख) आय की पहचान उस हद तक की गई है, जो प्राक्कलित/निश्चित हो कि सेंटर को वे आर्थिक लाभ मिलेंगे और वास्तव में उसे मापा जा सकता हो। जहां सेंटर अंतिम संचयन का आकलन पूरे विश्वास से नहीं कर सकता, वहां राजस्व मान्यता स्थगित की गई है और उसे तभी मान्यता दी गई है, संचयन समुचित रूप निश्चित हो।

9. विदेशी मुद्रा में लेन-देन

(क) विदेशी मुद्रा में लेन-देन का विवरण, लेन-देन से संबंधित तारीख वाले दिन की विनिमय दर तथा लेन-देन की तिथि और भुगतान/प्राप्ति/संग्रहण के बीच अंतर को, जो भी मामला हो, आय या व्यय के रूप में दिया गया है।

(ख) विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट वर्तमान मौद्रिक परिसम्पत्तियों और वर्तमान देयताओं को वर्ष के आखिर में प्रचलित विनिमय दर परिवर्तित किया गया है और लब्ध लाभ/हानि को राजस्व खाते में समायोजित किया गया है। सामग्री/सेवाओं के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं को दी गई अग्रिम राशि को गैर-मौद्रिक परिसम्पत्तियां माना गया है और इस कारण उनका उल्लेख लेन-देन की तारीख वाले दिन की विनिमय दर का इस्तेमाल करते हुए किया गया है।

(ग) विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट आकस्मिक देयताएं उस वर्ष के आखिर में जारी विनिमय दर पर परिवर्तित की गई हैं।

10. सेवानिवृत्ति और अन्य कर्मचारी लाभ

(क) सेंटर के पास अपने कर्मचारियों की ग्रैच्युटी के लिए परिभाषित लाभ योजना है। इस योजना के तहत लाभ प्रदान करने की लागत साल के आखिर में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर यूनिट क्रेडिट मैथेंड का इस्तेमाल करते हुए आंकी गई है।

(ख) क्षतिपूरित अनुपस्थितियों के प्रावधानों का उल्लेख साल के आखिर में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर यूनिट क्रेडिट मैथेंड का इस्तेमाल करते हुए किया गया है।

11. पूर्व वर्षों से संबंधित समायोजन

एक या अधिक पूर्ववर्ती वर्षों में दोष/कमियां चालू वर्ष के दौरान समायोजन उस समय जरूरी हो जाता है, जब उन्हें पूर्व अवधि के मद मान लिया जाए, वह भी तब, जब प्रत्येक का मूल्य पांच हजार रुपए से अधिक हो जाए।

12. प्रावधान और आकस्मिक देयताएं

(क) सेंटर उस समय प्रावधान करता है, जब कोई वर्तमान देयता किसी बाध्यकारी घटना का परिणाम हो, जिसे सम्भवतः संसाधनों के बहिर्गमन की जरूरत हो और जब बहिर्गमन की मात्रा का विश्वसनीय प्राक्कलन किया जा सकता हो।

(ख) आकस्मिक देयता की जानकारी वहां दी गई है, जहां सम्भावित देयता या वर्तमान देयता है, जिसे सम्भवतः लेकिन संसाधनों के बहिर्गमन की जरूरत नहीं है। जहां सम्भावित देयता या वर्तमान देयता है, जिसके लिए संसाधनों के बहिर्गमन की सम्भावना कम है, प्रबंधन के दृष्टिकोण के अनुसार, कोई प्रावधान या खुलासा नहीं किया गया है।

अनुसूची 15 - लेखाओं पर टिप्पणियां

(31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लेखों के भाग के रूप में)

खंड- ए तुलनपत्र

1.0 अचल संपत्तियां

(क) अचल संपत्तियों में नई दिल्ली में 40 एकड़ भूमि (पिछले वर्ष के समान) शामिल है, जिसे 1993 में भारत सरकार से अधिग्रहीत किया गया था। यह भूमि, सेंटर के नाम पर औपचारिक तौर पर हस्तांतरित नहीं होने के बावजूद फ्री होल्ड समझी जाती है।

2.0 पूंजीगत कार्य प्रगति पर

(क) यह वर्ष 2008-09 से 31.3.2019 तक दिल्ली स्थित परिसर में प्रस्तावित आवासीय सुविधा पर संचयी खर्च का प्रतिनिधित्व करता है। इस दौरान 62.53 लाख रुपये (पिछले वर्ष 62.53 लाख रुपये) खर्च किए गए।

(ख) आवास सुविधा के पूर्ण होने पर, इस शीर्ष के अंतर्गत व्यय का पूंजीकरण समुचित रूप से "अचल परिसंपत्ति" के अंतर्गत किया जाएगा।

3.0 सी-डॉट अल्काटेल लुसेंट रिसर्च सेंटर (सीएआरसी) प्रा. लि. में निवेश

(क) सी-डॉट अल्काटेल लुसेंट रिसर्च सेंटर (सीएआरसी) प्रा. लि. दूरसंचार के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान में संलग्न संयुक्त उपक्रम कंपनी है। इस संयुक्त उद्यम में सेंटर की अंश पूंजी 5200.00 लाख रुपये है।

(ख) उक्त कंपनी को संचित हानि हुई और उसकी नेट वर्थ पूरी तरह खत्म हो गई थी, अतः इन लेखाओं में उक्त निवेश 'अशोध्य तथा संदेहास्पद निवेश' के लिए प्रावधान किया गया था, जो पिछले वर्ष 5200.00 लाख रुपये हो गई थी। कंपनी के प्रमोटर्स में से एक होने के नाते, सी-डॉट को उसकी संभावनाओं के बारे में सरकार के निर्देशों का इंतजार है।

4.0 वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम और जमा

(क) माल-सूची:

(1) संघटक के तौर पर 611.40 लाख रुपये की राशि 31.03.2019 को थी (पिछले वर्ष 521.75 लाख रुपये) जो 3 वर्ष से अधिक समय तक तुलनपत्र की तिथि को वैसी ही रही। प्रबंधन का विचार है कि इन संघटकों की आवश्यकता सेंटर के भावी अनुसंधान एवं विकास कार्यों और फील्ड अनुरक्षण गतिविधियों में हो सकती है।

(2) उन संघटकों का मूल्य जिन्हें विगत वर्षों में खरीदा गया और मांगकर्ताओं को जारी किया गया और उन्हें संबंधित वर्ष के खाते में इस्तेमाल किया गया मान लिया गया, लेकिन जिसके एक भाग को संबंधित ग्रुप ने चालू वर्ष के दौरान अप्रयुक्त बताते हुए लौटा दिया- 70.51 लाख रुपये (पिछले वर्ष 149.94 लाख रुपये)

(ख) 31.3.2019 को 19965.35 लाख रुपए के विभिन्न देनदारों में शामिल है (पूर्व वर्ष 17015.52 लाख रुपए) :

(1) प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और लाइसेंसधारियों से रॉयल्टी के जरिए शुल्क 31.3.2019 को- 3208.28 लाख रुपए (पिछले वर्ष 2598.95 लाख रुपये) लम्बित था। सेंटर की ओर से वर्ष 2005 से सम्बद्ध लाइसेंसधारी की अधिगृहीत कब्जे में की गई बेंगलूरु की जमीन और इमारतों की कीमत से उसे पूरी तरह प्राप्त किया जा सका है।

(2) दूरसंचार कंपनियों को प्रौद्योगिकी/फील्ड सहायता सेवाएं 31.3.2019 को 11206.27 लाख रुपए पर दी गई (पूर्व वर्ष 10150.06 लाख रुपए), इन्हें अच्छी और पूरी तरह प्राप्य माना जाता है।

(3) मैसर्ज पीसीएल के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं रॉयल्टी की बकाया राशि 31.3.2018 को 189.38 लाख रुपए थी (पूर्व वर्ष 189.38 लाख रुपए), इन लेखाओं में अशोध्य तथा संदेहास्पद ऋणों के लिए प्रावधान कर लिया गया है।

(4) अन्य बकाया राशि 5361.42 लाख रुपये थी। (पिछले वर्ष 3628.74 लाख रुपये) उसे अच्छा और वसूली योग्य माना गया।

(ग) सी-डॉट अल्काटेल लुसेंट रिसर्च सेंटर (सीएआरसी) प्रा.लि. को ऋण:

सी-डॉट अल्काटेल लुसेंट रिसर्च सेंटर (सीएआरसी) प्रा.लि. को पूर्व वर्षों में दिया गया कुल ऋण 1845.79 लाख रुपए है। उक्त कंपनी को संचित हानि हुई थी और उसके नेटवर्थ में काफी गिरावट आ गई थी। अतः इन लेखाओं में 1845.79 लाख रुपये की राशि के ऋण को अशोध्य और संदेहास्पद मानते हुए प्रावधान किया गया। अशोध्य और संदेहास्पद ऋण के प्रावधान करने के बाद 31.03.2019 तक कुल ऋण शून्य है (पिछले वर्ष- शून्य)।

(घ) सीएआरसी प्राइवेट लि. को दिए ऋण पर उपाजित ब्याज सी-डॉट अल्काटेल लुसेंट रिसर्च सेंटर (सीएआरसी) प्रा. लि. को दिए गए ऋण पर 31.3.2019 तक उपाजित ब्याज 598.58 लाख रुपये था (पूर्व वर्ष के समान)। वित्तीय वर्ष 2011-12 से, उक्त कम्पनी ने ब्याज की अदायगी नहीं की है। हालांकि, सेंटर ने उक्त कम्पनी के पास तुलन पत्र पर उपलब्ध नकदी को ध्यान में रखते हुए ऋण पर बकाया ब्याज के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है।

(ङ) वसूली योग्य दावे

सेंटर द्वारा अन्य संगठनों के लिए लागत आधार पर पुनर्भुगतान के रूप में की गई परियोजनाओं के बारे में वसूली योग्य औसत राशि 2909.85 लाख रुपए थी (पिछले वर्ष 2576.58 लाख रुपए)। 'वसूलीयोग्य अशोध्य और संदेहास्पद दावों' के लिए प्रावधान करने के बाद

31.03.2019 को 931.44 लाख रुपये (पिछले वर्ष 598.17 लाख रुपये) की राशि वसूली के लिए अच्छी मानी गई।

वसूलीयोग्य शेष 289.04 लाख रुपये की राशि (पिछले वर्ष 58.44 लाख रुपये थी), वसूली के लिए अच्छी मानी गई।

च) स्रोत पर काटा गया कर

विभिन्न वर्षों के संबंध में स्रोत पर काटा गया कर 31.03.2019 तक 2229.20 लाख रुपये (पिछले वर्ष 2419.54 लाख रुपये) वसूली के लिए अच्छा समझा गया।

5.0 आकस्मिक देयताएं

(क) संघटकों और उपकरणों की प्राप्ति के लिए क्रय आदेशों के बारे में बैंकरों द्वारा जारी मियाद समाप्त न हुए साख-पत्रों की राशि 31.3.2019 को 224.72 लाख रुपये थी। (पिछले वर्ष 164.40 लाख रुपये)।

(ख) लंबित कानूनी मामलों के कारण बकाया राशि 31.03.2019 तक 450.00 लाख रुपये है (पिछले वर्ष 20.87 लाख रुपये)।

भाग-ख : आय एवं व्यय लेखा

(क) कर्मचारी लाभ:

(1) भविष्य निधि (पीएफ): -

सी-डॉट भविष्य निधि के लिए योगदान देता है जो मुख्य रूप से विधिवत गठित और अनुमोदित छूटप्राप्त ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित किया जाता है। भविष्य निधि का योगदान परिभाषित योगदान योजना के रूप में है। कर्मचारियों के संबंध में, जो ट्रस्ट के सदस्य हैं, सी-डॉट निरीक्षण और प्रशासनिक शुल्क सहित ऐसे ट्रस्टों को देय योगदान को व्यय मानता है।

(2) ग्रेच्युटी -

वर्ष के अंत मौजूद वेतन और भत्तों के आधार पर ग्रेच्युटी के लिए सेंटर की देयता का मूल्य बीमाकिक मूल्यांकन के आधार पर 6908.93 लाख रुपये (पिछले वर्ष 5920.26 लाख रुपये) था। चालू वित्त वर्ष में आय एवं व्यय लेखे में ग्रेच्युटी के लिए 625.71 लाख रुपये (पिछले वर्ष 697.75 लाख रुपये) के शुद्ध व्यय की पहचान की गई है। ग्रेच्युटी ट्रस्ट, जिसका प्रबंधन कर्मचारियों सहित अलग न्यासी बोर्ड द्वारा किया जाता है, इस लेखे में देयता की अदायगी कर रहा है।

(3) अर्जित अवकाश (ईएल)

सेंटर के नियमों के अनुसार, सेवारत तथा सेवानिवृत्त अथवा अन्यथा सेवा छोड़कर जाने वाले सभी कर्मचारी अर्जित अवकाश के नकदीकरण का लाभ सेवा निवृत्तन या अन्यथा उठा सकते हैं। बीमाकिक मूल्यांकन के आधार पर

मूल्यांकित इस देयता के लिए 31.03.19 तक कर्मचारियों के अर्जित अवकाश के संदर्भ में 5985.49 लाख रुपये (पिछले वर्ष 4835.55 लाख रुपये) का प्रावधान है।

(ख) बोनस

लागू नीति के अनुसार, सेंटर समय-समय पर योग्य कर्मचारियों को अनुग्रह राशि का भुगतान करता है। इस अनुग्रह राशि का भुगतान की प्राक्कलन के आधार पर हर साल खर्च समझा जाता है। वित्त वर्ष 2018-19 में बोनस के लिए किया गया प्राक्कलित खर्च 12.86 लाख रुपये है (पिछले वर्ष 13.86 लाख रुपये)।

(ग) संघटकों का उपभोग

(1) लगातार अपनाई जा रही व्यवस्था के अनुसार वर्ष के दौरान शुरुआती स्टॉक तथा की गई खरीद के मूल्य में से समापन स्टॉक को घटाने के बाद हासिल मूल्य को उपभोग का मूल्य माना जाता है।

(2) तदनुसार, वर्ष के दौरान उपभुक्त संघटकों का मूल्य 3746.05 लाख रुपये था (पिछले वर्ष 3295.77 लाख रुपये)।

(घ) मरम्मत एवं अनुरक्षण-अन्य

इसमें बेंगलुरु के परिसर में चालू वित्त वर्ष के लिए 96.85 लाख रुपये का सिविल कार्य व्यय (पिछले साल-70.09 लाख रुपये) शामिल है।

(ङ) विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव

(1) विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान विभिन्न प्रकार के लेन-देन में लाख रुपये की हानि हुई (पिछले वर्ष में लाभ 9.22 लाख रुपये)।

(2) ऐसे उतार-चढ़ाव के लिए लाभ और हानि अनुसूची क्रमशः 9 और 12 में विशिष्ट रूप से प्रदर्शित की गई है।

(च) पिछले वर्षों से संबंधित समायोजन (निवल) :

इस शीर्षक के अंतर्गत आय (-) 3.68 लाख रुपये (पिछले वर्ष (-) 4.20 रुपये) और व्यय (-) 10.17 लाख रुपये (पिछले वर्ष (-) 93.84 लाख रुपये) शामिल है।

भाग- ग : सामान्य

पिछले वर्ष के आंकड़ों को जहां-जहां जरूरी था फिर से एकत्रित या पुनः व्यवस्थित किया गया है।

ह./
जी. मुकुंदन
मुख्य वित्त अधिकारी

ह./
विपिन त्यागी
कार्यकारी निदेशक

परिवर्णी शब्द

4जी	: चौथी पीढ़ी (वायरलेस संचार प्रौद्योगिकी)	एम 2 एम	: मशीन-टू-मशीन
5जी	: 5वीं पीढ़ी (वायरलेस संचार प्रौद्योगिकी)	मैन	: महानगरीय क्षेत्र नेटवर्क
एडीएन	: अनुप्रयोग समर्पित नोड	मैक्स-एनजी	: मुख्य स्वचालित एक्सचेंज-अगली पीढ़ी
अनुराग	: उन्नत संख्यात्मक अनुसंधान और विश्लेषण समूह	अधिकतम	: मुख्य स्वचालित एक्सचेंज
एएसएन	: एप्लिकेशन सेवा नोड	एमएचए	: गृह मंत्रालय
एटी	: स्वीकृति परीक्षण	एमएन	: मध्य नोड
बीबीडब्ल्यूटी	: ब्रॉडबैंड वायरलेस टर्मिनल	एमपीएलएस	: मल्टी-प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग
बीएसएस	: बेस स्टेशन सबसिस्टम	एनसीआर	: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
सी-जेम्स	: सी-डॉट जी-पॉन ईएमएस सिम्युलेटर	एनडीएमए	: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
कैस	: कंडिशनल एक्सेस सिस्टम	एनएफवी	: नेटवर्क फंक्शन वर्चुअलाइजेशन
सीडीआर	: कॉल डिटेल रिकॉर्ड	एनआईसी	: राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
सीजीरैन	: सी-डॉट जीएसएम रेडियो एक्सेस नेटवर्क	एनओसी	: नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर
सीआईएसटीबी	: सी-डॉट इंटरऑपरेबल सेट-टॉप बॉक्स	एनओएफएन	: राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क
सीएमएमआई	: क्षमता परिपक्वता मॉडल-एकीकृत, साझा जीएसएम रेडियो एक्सेस नेटवर्क	ओसीएन	: ऑप्टिकल कोर नेटवर्क
सीपीई	: ग्राहक परिसर उपकरण	ओएसआई	: ओपन सोर्स इंटेलेजेंस
सीएससी	: कॉमन सर्विस सेंटर	ओटीएन	: ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क
सीएसएफ	: कॉमन सर्विस फंक्शंस	पीसीबी	: मुद्रित सर्किट बोर्ड
डील	: रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला	पीसीआई	: इंटरसेप्शन का प्राइम कस्टोडियन
डीओटी	: दूरसंचार विभाग	पीसीटी	: पेटेंट सहयोग संधि
डीआर	: डिजास्टर रिकवरी	पीडीओ	: पब्लिक डेटा ऑफिस
डीटीएच	: डायरेक्ट-टू-होम	पीएमएच	: प्रधानमंत्री आवास
ईसीएससीएफ	: आपातकालीन कॉल सत्र नियंत्रण समारोह	पीएमओ	: प्रधानमंत्री कार्यालय
ईएमएस	: तत्व प्रबंधन प्रणाली	पीएसएपी	: पब्लिक सेफटी आंसरिंग पॉइंट
ईनोडबी	: विकसित नोड बी	सार्वजनिक उपक्रम	: सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम
ईपीसी	: विकसित पैकेट कोर	पीक्यूसी	: पोस्ट क्वांटम क्रिप्टोग्राफी
एफपीजीए	: फील्ड प्रोग्रामेबल गेट ऐरे	रैक्स	: ग्रामीण स्वचालित एक्सचेंज एक्सेस नेटवर्क के रूप में
एफटीटीएच	: फाइबर-टू-होम	आरएफ	: रेडियो फ्रीक्वेंसी
जीआईएस	: भौगोलिक सूचना प्रणाली	एसडीएन	: सॉफ्टवेयर डिफाइंड नेटवर्किंग
जीपीएसयू	: ग्रीन पावर सप्लाय यूनिट	एसटीबी	: सेट-टॉप बॉक्स
आईसीटी	: सूचना और संचार प्रौद्योगिकी	एसटीबीआर	: स्टैकेबल टेराबिट राउटर
आईट्रिपलई	: इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स का इंस्टीट्यूट	टीबीपीएस	: प्रति सेकंड टेराबाइट्स
आईआईटी	: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	टीसीआईएल	: दूरसंचार कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड
आईएम	: इंटेलेजेंस मैनेजर	टीडीएमए	: टाइम डिवीजन मल्टीपल एक्सेस
आईएमसीएल	: इंडसइंड मीडिया एंड कम्युनिकेशन्स लिमिटेड	टीईसी	: दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र
आईएमएस	: इंटरनेट प्रोटोकॉल (आधारित) मल्टीमीडिया सबसिस्टम	टीओआर	: टॉप-ऑफ-रैक
आईएन	: इन्फ्रास्ट्रक्चर नोड	ट्राई	: भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण
आईआरआई	: अवरोधन-संबंधित जानकारी	वीएसए	: मूल्य वर्धित सेवा
आईटीआई	: भारतीय टेलीफोन उद्योग	वीओआईपी	: वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल
लैन	: लोकल एरिया नेटवर्क	डब्ल्यूडीएन	: तरंग दैर्ध्य-आधारित वितरण और एकत्रीकरण नेटवर्क
एलईए	: लॉग और इवेंट मैनेजर	विद्वान	: वायरलाइन एक्सेस नेटवर्क का उपयोग करके घर पर वायरलेस डेटा कनेक्टिविटी
एलईएमएफ	: कानून प्रवर्तन निगरानी समारोह	वाईफाई	: वायरलेस फिडेलिटी
एलएसए	: लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र	एक्सजीपॉन	: 10 Gbps निष्क्रिय ऑप्टिकल नेटवर्क (टीडीएम/टीडीएमए-आधारित)
एलटीई-ए	: दीर्घकालिक विकास - उन्नत		
एलटीई	: दीर्घकालिक विकास (सार्वभौमिक स्थलीय रेडियो एक्सेस नेटवर्क का)		

हमारे बैंकर

केनरा बैंक

सी-डॉट परिसर, महरौली
नई दिल्ली-110 030

सिंडिकेट बैंक

कॉर्पोरेट वित्त शाखा
6, सरोजिनी हाऊस, भगवान दास रोड
नई दिल्ली-110 001

केनरा बैंक

इलैक्ट्रॉनिक्स सिटी, फेज़ 1, होसूर रोड
बेंगलुरु-560 100

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

सोना टावर्स, 71/1, मिल्लर्स रोड
बेंगलुरु-560 100

हमारे कार्यालय

सी-डॉट

सी-डॉट परिसर
महरौली, नई दिल्ली-110 030

सी-डॉट

इलैक्ट्रॉनिक्स सिटी, फेज़ 1
होसूर रोड, बेंगलुरु-560 100

सी-डॉट

सी-डॉट फील्ड समर्थन केन्द्र,
पी-108, ग्राउंड फ्लोर, लेक टाउन, ब्लॉक-ए
कोलकाता-700 089

हमारे कानूनी लेखाकार

शिव एण्ड एसोसिएट्स

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
103, 105, प्लॉट नं. 1
वर्द्धमान इन्द्रप्रस्थ प्लाजा
आई पी एक्सटेंशन, पटपड़गंज
दिल्ली-110 092



सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स

सी-डॉट परिसर, महारौली, नई दिल्ली-110 030
इलैक्ट्रॉनिक्स सिटी, फेज़-1, होसूर रोड़, बेंगलुरु-560 100
www.cdote.in